दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 166/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, रविवार 12 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाये। - स्वामी विवेकानंद

dainiksandhyaprakash.in

राष्ट्रीय युवा दिवस

राष्ट्रीय युवा महोत्सवः मोदी ने किया युवाओं से संवाद, मॉडल देखे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह भारत मंडपम पहुंचे। यहां उन्होंने 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' में प्रतिभागियों के साथ मुलाकात की। उनके प्रोजेक्ट मॉडल भी देखे। कार्यक्रम एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने के उनके प्रयासों के तहत आयोजित किया जा रहा है।।

यह कार्यक्रम 11 जनवरी से शुरू हुआ है। आज दूसरा दिन है। इसमें देशभर से 3 हजार युवा शामिल हुए हैं। पीएम आज कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे।

दरअसल, पीएम मोदी ने 15 अगस्त 2024 को एक लाख गैर-राजनीतिक युवाओं को जन प्रतिनिधि के रूप में राजनीति में लाने की बात कही थी। ये कार्यक्रम उसी का हिस्सा है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग को मोटिव नेशनल यूथ फेस्टिवल को ट्रेडिशनल तरीके के आयोजित करने की 25 साल पुरानी परंपरा को तोड़ना है।

कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी युवाओं से 2047 के विकसित भारत के रोड मैप पर उनके विचारों को जानने की कोशिश कर रहे हैं। भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रधानमंत्री युवाओं के साथ महिला सशक्तिकरण, विकसित भारत, डिजिटल भारत, खेलों में श्रेष्ठता जैसे 10 विषयों पर प्रेजेंटेशन भी देखेंगे। कार्यक्रम में देश निर्माण के 10 विषयों पर 2047 में विकसित भारत के लिए उनके विजन को सम्मिलित किया गया है। इसे युवाओं की राजनीति की पाठशाला कहा जा सकता है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वे विकसित भारत के निर्माण के उद्देश्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन युवाओं से उनकी मुलाकात होगी, उनमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, संस्कृति और अन्य चीजों के प्रति काफी जुनून है। बयान में कहा गया है कि आयोजन का उद्देश्य राष्ट्रीय युवा महोत्सव को पारंपरिक तरीके से आयोजित करने की 25 साल पुरानी परंपरा को तोड़ना है। यह बिना किसी राजनीतिक संबद्धता वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में शामिल करने और उन्हें विकसित भारत के विचारों को वास्तविकता के धरातल पर उतारने के संबंध में हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ पर शौर्य स्मारक में 18000 स्क्वायर फीट में 3डी रंगोली बनाने पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड भेंट किया गया। इस अवसर पर जनसंपर्क आयुक्त सुदाम खाड़े भी मौजूद रहे।

प्रदेश के स्कूलों में सामूहिक सूर्य नमस्कार, सुभाष स्कूल में सीएम यादव ने किया योग

भोपाल। स्वामी विवेकानंद की जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस पर 12 जनवरी को प्रदेश के सभी स्कूलों में सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार का आयोजन हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट स्कूल में योग किया। वहीं, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नरसिंहपुर जिले के ग्राम डोभी के सीएम राइज स्कूल में विद्यार्थियों के साथ सूर्य नमस्कार किया।

प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम यादव ने कहा भारत हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है और सरकार हर वर्ष सूर्य नमस्कार का आयोजन करती है। आज मध्यप्रदेश सरकार युवा शक्ति मिशन लॉन्च कर रही है, जिसके जरिए हमने प्रदेश के युवाओं को शिक्षित करने का संकल्प लिया है। हमारी योजना है कि 10वीं और 12वीं कक्षा में प्रदेश का युवा शत-प्रतिशत उत्तीर्ण होकर शिक्षित बने।

उन्होंने आगे कहा- हमने यह लक्ष्य तय किया है कि 2028 तक मध्यप्रदेश के 70 प्रतिशत से ज्यादा युवा स्वरोजगार प्राप्त करेंगे। प्रदेश में डेढ़ करोड़ से ज्यादा युवा हैं, और आज ही के दिन हम लाडली बहना योजना की राशि डालने जा रहे हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सभी 543 संसदीय क्षेत्रों में पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने की घोषणा की

भोपाल। भारत के केंद्रीय संचार मंत्री, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने घोषणा की कि पूरे भारत के सभी 543 संसदीय क्षेत्रों में एक पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह घोषणा गुना में एक नए पासपोर्ट सेवा केंद्र के उद्घाटन के दौरान की गई थी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से गुना से सांसद सिंधिया ने आगे कहा कि इस साल मध्य प्रदेश में छह

नए पासपोर्ट सेवा केंद्र खोले जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों तक सेवाओं का विस्तार करने के लक्ष्य के साथ प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में एक पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया था। सिंधिया ने इस बात पर जोर दिया कि डाक विभाग, विदेश मंत्रालय के सहयोग से, इस दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त, मंत्री ने डाक सेवाओं के नेटवर्क को बढ़ाने के उद्देश्य से देश भर में 6,000 से अधिक डाकघरों की स्थापना पर प्रकाश डाला।

सिंधिया ने हस्तलिखित पत्रों की परंपरा को पुनर्जीवित करने के महत्व पर भी जोर दिया, जिसे उन्होंने किसी की भावनाओं की ईमानदार अभिव्यक्ति के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में डाक सेवाओं में महत्वपूर्ण तकनीकी सुधार हुए हैं। गुना में नए केंद्र के बारे में बोलते हुए, सिंधिया ने बताया कि पहले, निवासियों को पासपोर्ट के लिए आवेदन करने के लिए भोपाल या ग्वालियर जाना पड़ता था। हालाँकि, गुना में पासपोर्ट सेवा केंद्र शुरू होने से स्थानीय लोगों की यह असुविधा दूर हो जाएगी।

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा का एक साल पूरा होने पर देश भर में उत्साह: विष्णुदत्त शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का हिंदी तिथि के अनुसार एक वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को भोपाल के माता मंदिर के पास स्थित श्रीराम मंदिर में दर्शन-पूजन और आरती कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान आतिशबाजी भी की गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री ने न्यू मार्केट स्थित हनुमान मंदिर में भी पूजा-अर्चना की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज का दिन पूरी दुनिया के लिए ऐतिहासिक और उत्साह से भरा हुआ है। पिछले 500 वर्षों में करोड़ों लोगों के संघर्ष, लंबे इंतजार और बड़ी संख्या में लोगों के बलिदान के बाद 1 वर्ष पूर्व आज के दिन द्वादशी तिथि को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की उपस्थिति में अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। आज पूरी दुनिया में हिंदू समाज और समस्त भारतीयों के लिए ऐतिहासिक दिन है। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि हर साल द्वादशी तिथि पर ही भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शाम को अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ को धूमधाम से मनाएं।

सबके राम, सब में राम आज से एक वर्ष पूर्व अयोध्या धाम में श्री राम भगवान के भव्य मंदिर का लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और सभी साधु संतों के द्वारा किया गया था। कैलेंडर वर्ष की शुरुआत में ही लाखों लोगों ने अयोध्या धाम जाकर श्रीराम भगवान के दर्शन किए, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड बन गया। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकरी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मनाई स्वामी विवेकानंद जयंती

भोपाल। संपूर्ण विश्व में भारत, भारतीयता और भारतीय संस्कृति की अलख जगाने वाले, युगपुरुष स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में स्वामी के चित्र पर माल्यार्पण कर जयंती मनाई और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। जयंती कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं प्रभारी प्रशासन गौरव रघुवंशी , जिला कांग्रेस अध्यक्ष भोपाल शहर प्रवीण सक्सेना, युवा कांग्रेस कार्यवाहक जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा,ब्लॉक अध्यक्ष मुजाहिद सिद्दीकी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्रालय में सीपीआर का प्रशिक्षण देकर दी जानकारी

भोपाल । मंत्रालय वल्लभ भवन, विंध्याचल एवं सतपुड़ा की सुरक्षा में तैनात समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को सी.पी.आर.के संबंध में डॉ. राकेश भार्गव, डॉ.उमेश पटेल एवं डॉ. जेपी चौरसिया द्वारा ट्रेनिंग के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई। समस्त सुरक्षा कर्मियों को बताया गया कि सी.पी.आर. से किसी व्यक्ति को कैसे प्राथमिक उपचार द्वारा जीवन दिया जा सकता है द्य मानव डमी के माध्यम से सीपीआर ट्रेनिंग देते हुए इस प्रक्रिया को सभी ने व्यावहारिक रूप से समझा की सुरक्षा ड्यूटी करते समय आकस्मिक परिस्थितियों में इसका स्वयं के लिए एवं दूसरों के लिए कितना महत्व है। कार्यक्रम में किरण फाऊंडेशन के सचिव डॉ राकेश भार्गव, डॉ जेपी चौरसिया, डॉ उमेश पटेल, काउंसलर रवि कनौजिया एवं सहायक पुलिस आयुक्त सुरक्षा अविनाश सहित वल्लभ भवन, सतपुड़ा एवं विंध्याचल के समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

साधु वासवानी स्कूल में उत्साह के साथ वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है: सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने कई प्रकार के मॉडल जैसे राम मंदिर, चार सीजन, हाइड्रोलिक डेम, स्मार्ट सिटी, न्यूक्लीयर प्लॉट, हिमोडायलिसिस, एसीटेन, विलेज एवं आर्ट एण्ड कॉफ्ट में टूटी कुर्सियों से सोफा, न्यूज पेपर से कॉफ्ट मटेरियल, जूट से फ्लावर पोर्ट आदि बनाये गये जो बड़े ही आर्कषण का केंद्र थे। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि आज का दिन बड़ा भाग्यशाली है, क्योंकि यह विद्यालय संतों द्वारा लगाया गया पौधा है जो आज वटवृक्ष बन चुका है। सिद्ध भाऊ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी अपने माता-पिता व गुरु का सदैव सम्मान करेंगें तो हमेशा आगे बढ़ेगें और उच्च पदों पर पहुंचकर न सिर्फ विद्यालय का वरन देश का नाम भी रोशन करेंगें आज विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी में नए-नए प्रोजेक्ट बनाएं हैं जो बहुत ही आकर्षक हैं यहां के विद्यार्थी बहुत ही अच्छे पदों पर पहुंचेंगें ऐसा मेरा विश्वास है परंतु इसके लिए विद्यार्थियों को स्वस्थ रहना होगा और स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार के साथ-साथ खेलों को भी अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं क्योंकि खेल हमारे शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रतियोगिता में अव्वल आने वाले विद्यार्थियों को उनकी टीम के साथ सिद्ध भाऊ द्वारा पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया एवं प्रशिक्षिकों का सम्मान किया गया।

ज्ञानवान होने के साथ उसे आचरण में उतारना जरूरी: राज्यपाल

राज्यपाल हिन्दी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में हुए शामिल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ज्ञानवान होना ही पर्याप्त नहीं है, ज्ञान को आचरण में उतारना भी जरूरी है। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान कवि, लेखक और राष्ट्रभक्त की स्मृति में स्थापित विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं का दायित्व है कि वह देश, समाज, समुदाय,परिवार और वंचितों के प्रति संवेदनशील रहें। राज्यपाल श्री पटेल शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर हॉल में आयोजित अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में उपस्थित अतिथियों और विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि भावी जीवन में कैरियर की सफलताओं में माता-पिता, गुरूजन और समाज के जरूरतमंद पीछे नहीं छूटने चाहिए। पालकों के संघर्ष के पलों, समाज के सबसे पिछड़े, गरीब व्यक्ति के आपकी शिक्षा-दीक्षा में प्रत्यक्ष और परोक्ष सहयोग को सदैव याद रखें। दीक्षांत शपथ के दस्तावेज को सम्भाल कर रखें। प्रतिदिन उसे दोहराएं और उसके अनुसार आचरण करें। आस-पास के वंचितों की जरूरतों की जानकारी लें। उनको पूरा करने का यथा संभव प्रयास करें। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए कहा कि हर व्यक्ति में अपार क्षमता है आवश्यकता अपनी शक्तियों को जगाने की है। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाने और समाज एवं राष्ट्र की सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए शुभकामनांए दी। भारतीय सूचना प्रौद्यौगिकी संस्थान भोपाल के निदेशक श्री आशुतोष सिंह ने महाभारत के मछली की आँख वाले प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि जीवन में सफलता के लिए कठिन प्रतिस्पर्धा हर युग में रही है, आगे भी रहेगी। भावी जीवन में भी रोज नई परीक्षा देनी होगी। आवश्यकता देश, काल और परिस्थिति के अनुसार स्वयं को ढालकर प्रयास करने की है। अंधेरा कितना भी घना हो, दिया जलाने पर रोक नहीं लगाता है। उन्होंने कहा कि याद रहे मंजिल उन्हें मिलती है जिनके सपनों में जान होती है।

जोखिम का काम करने के बाद भी संविदा एवं ठेका श्रमिक को नहीं मिल रहा हक: दुबे

भोपाल। 12 सूत्री मांगों को लेकर मध्य प्रदेश संविदा एवं ठेका श्रमिक इंटक ग्वालियर द्वारा प्रेस वार्ता की गई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष एल के दुबे ने बातया कि मध्यप्रदेष राज्य की सभी विद्युत कंपनियों के नियमित/संविदा एवं ठेका श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करता है और उनको श्रम कानून के तहत मिलने वाले अधिकारों को समय-समय पर प्रषासन व प्रबंधन को अवगत कराकर उनके सार्थक समाधान निराकरण हेतु सदैव प्रयासरत रहता है। वर्तमान में ऊर्जा विभाग की समस्त विद्युत कम्पनियों में अधिकांषत: समस्त तकनीकी एवं कार्यालयीन कार्य संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के द्वारा ही सम्पादित किये जाते है। चूंकि विद्युत विभाग पूर्णत: तकनीकी एवं जोखिमपूर्ण कार्यों का विभाग है अतएव जोखिमपूर्ण कार्य करने पर कर्मचारियों को सदैव घातक दुर्घटना एवं जान का जोखिम बना रहता है।

सीएस टेक एआई ने भोपाल में ऑटोडेस्क की बीआईएम क्षमता का प्रदर्शन किया

भोपाल। सीएस टेक एआई (जिसे सिन्सिस टेक लिमिटेड के नाम से भी जाना जाता है) ने भोपाल में सरकारी और कॉर्पोरेट पेशेवरों को ऑटोडेस्क के साथ बीआईएमएक्सपेरिएंस- शेपिंग द फ्यूचर के लिए एक साथ लाया, जो बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम) की परिवर्तनकारी भूमिका पर केंद्रित एक कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में इस बात पर गहन चर्चा की गई कि किस प्रकार बीआईएम सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और निर्माण परियोजनाओं में दक्षता, सहयोग और नवाचार को बढ़ावा दे सकता है। बीआईएम एक्सप्रीयंस का उद्देश्य पेशेवरों को बीआईएम की क्षमताओं को अधिकतम करने के लिए ज्ञान से लैस करना है। वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों और सीएस टेक एआई क्षमताओं का प्रदर्शन करके, हमारा लक्ष्य विविध परियोजनाओं में उन्नत बीआईएम समाधानों को एकीकृत करने के लिए एक रोडमैप तैयार करना है, सीएस टेक एआई के उपाध्यक्ष तरुण बिष्ट ने कहा। कार्यक्रम के दौरान, श्री बिष्ट ने वास्तुकला, इंजीनियरिंग और निर्माण (एईसी) उद्योग के लिए कंपनी के अभिनव समाधानों के बारे में बताया। उन्होंने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए डिजिटल डिलीवरी के महत्व पर भी प्रस्तुति दी, तथा परियोजना वर्कफ्लो को सुव्यवस्थित करने के लिए आवश्यक उपकरण के रूप में ऑटोडेस्क के एईसी संग्रह और एसीसी क्लाउड पर प्रकाश डाला। वहीं, ऑटोडेस्क की प्रीति राव ने बिल्डिंग प्रोजेक्ट मैनेजमेंट को बेहतर बनाने में ऑटोडेस्क सॉफ्टवेयर उत्पादों और ऑटोडेस्क कंस्ट्रक्शन क्लाउड (एसीसी) की क्षमताओं के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ग्राहक सफलता की कहानी सत्र था। लायन इंजीनियरिंग के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार ऑटोडेस्क टूल्स ने उन्हें परियोजना चुनौतियों पर काबू पाने और ठोस परिणाम देने में सक्षम बनाया।

प्रकृति के नियमों से खोजें सिंचाई के नए तरीके: मुख्य सचिव

प्राचीन काल से हमें सिखाया गया जल संरक्षण का महत्व: पटेल

जल और पर्यावरण पर हुआ तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा है कि प्राचीन काल से हमें जल संरक्षण का कार्य सिखाया गया है। ऋषि-मुनियों ने शोध कर हमें बताया कि जल शरीर के लिए कितना आवश्यक है। हमारा शरीर पंचतत्व से बना है, इन पांच तत्वों में जल भी शामिल हैं, ऐसे में जल संरक्षण करना हमारा दायित्व है। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि पूरी दुनिया हमारा परिवार है और हम जल को लेकर वैज्ञानिक तरीके से रिसर्च कर उसके संरक्षण का काम कर रहे हैं। श्री पटेल ने कहा कि मैं भी सिविल इंजीनियर हूँ, मैंने जल संरचना के निर्माण को लेकर ग्राउंड जीरो पर काम किया है। जहां भी काम किया, वहां लोगों ने पानी का मूल्य समझा और पूरा समर्थन दिया। हमारे देश में नदियों को माँ का दर्जा दिया गया है और माँ को हम दूषित और मैला नहीं कर सकते, इसलिए हम इनके संरक्षण के लिए काम करें और बेहतर तरीके से जल का सदुपयोग करें। प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है ऐसे में हमारा दायित्व है कि प्रकृति को भी हम जल संरक्षण कर प्राणी मात्र के जीवन में योगदान दें।

राज्य मंत्री श्री पटेल कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित जल और पर्यावरण पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स के पर्यावरण एवं जल संसाधन संस्थान और मध्यप्रदेश जल संसाधन विभाग एवं अंत्योदय प्रबोधन संस्थान के सहयोग से किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय जलवायु परिवर्तन के अनुकूल सतत और मजबूत

जल बुनियादी ढांचे का निर्माण था। सम्मेलन में विश्व संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, भारत सहित विश्व के अन्य देशों के विशेषज्ञ शामिल हुए। जल संबंधी समस्याओं के समाधान पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श में 30 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने 125 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए, जो आम लोगों के लिए भी उपलब्ध कराए गये।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि प्रकृति का नियम है कि पानी ऊपर से नीचे आता है, इस नियम को ध्यान में रखते हुए इंजीनियर सिंचाई के तरीके खोजें। उन्होंने कहा कि कम्युनिटी की सहभागिता के बिना किसी प्रोजेक्ट को पूरा नहीं किया जा सकता, ऐसे में जो प्रोजेक्ट आप तैयार कर रहे हैं, उसमें लोगों की सहभागिता जरूर शामिल करेंगे, इससे दूरगामी परिणाम सामने आएंगे। श्री जैन ने अपने मंदसौर कलेक्टर के कार्यकाल का उदाहरण देते हुए बताया कि साल 1999 में एक स्टॉप डेम हमें बनाना था, जिसकी लागत 15 लाख रुपए थी, लेकिन पंचायत के पास महज ढाई लाख रुपए थे। ऐसे में जनसहयोग से हमने 6 महीने में पूरा होने वाला काम केवल 30 दिन में पूरा कर दिया। सचिवजल संसाधन श्री जॉन किंग्सली ए.आर. ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार जल संरक्षण और जल संवर्धन के साथ ही जल के आदर्श उपयोग में दक्षता के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश में दाबयुक्त सिंचाई प्रणाली के जरिए जल के अधिकतम उपयोग से जल के अपव्यय को कम किया गया है। इससे बचाए गये शेष जल का उपयोग सैंच्य क्षेत्र विस्तार, ग्रामीण एवं शहरी पेयजल आपूर्ति तथा अन्य क्षेत्रों में किया जाना संभव हो सकेगा। मोहनपुरा कुंडलियां की प्रेशराइज्ड पाइप प्रणाली की सफलता के बाद पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना और केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से जल की अधिकता वाले क्षेत्रों से अतिरिक्त जल को सूखा प्रभावित क्षेत्रों में भेजने तथा भण्डारण करने से कृषि और घरेलू उपयोग के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी।

भोपाल। सुभाष स्कूल में युवा दिवस के अवसर पर सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने भी योग किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी आदि मौजूद रहे।

भोपाल। लिंक रोड स्थित गुलाब उद्यान में गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में गुलाब प्रेमी पहुंच रहे हैं।

महापौर मालती राय ने आज कमला पार्क के पास आर्च ब्रिज पर रानी कमलावती की प्रतिमा की पूजा अर्चना कर मोबी गर्ल इंटरटेनमेंट एवं पाबनी फाउंडेशन द्वारा रानी कमलापति की भव्य बाइक रैली का शुभारंभ किया

मकर संक्रांति पर पतंगोत्सव के लिए बाजार में आई मोदी पतंगें।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल आज रीवा के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तंड क्रमांक-1 के मैदान में आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में शामिल हुएद्य

छत्तीसगढ़ पहुंचे गौतम अडानी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से की मुलाकात, राज्य में बड़े निवेश की संभावना

रायपुर। अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुख्यमंत्री निवास में मुलाकात की, जिसमें राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में बड़े निवेश की योजनाओं पर चर्चा की गई। सूत्रों के अनुसार, अडानी समूह छत्तीसगढ़ में बिजली, सीमेंट, शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में हजारों करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। खासकर, रायपुर, कोरबा और रायगढ़ में समूह के पावर प्लांट्स के विस्तार के लिए 60,000 करोड़ के निवेश की बात चल रही है। इस विस्तार से छत्तीसगढ़ की कुल पावर जनरेशन क्षमता में अतिरिक्त 6,120 मेगावाट की वृद्धि होगी। इसके अलावा, अडानी समूह ने राज्य में अपने सीमेंट प्लांट्स के विकास और विस्तार के लिए 5,000 करोड़ का निवेश करने का वादा किया है

गौतम अडानी, जो अंतरराष्ट्रीय वित्तीय विशेषज्ञों की टीम के साथ यात्रा करेंगे, कोरबा और रायपुर में एक दिन की यात्रा पर है। इस दौरान, टीम लांको कोरबा और जीएमएआर खोरा पावर प्लांट्स का निरीक्षण करेगी, जिन्हें हाल ही में अडानी समूह ने अधिग्रहित किया है। अडानी समूह के सीईओ एस.जी. खिआलिया और परियोजना प्रमुख नरेश गोयल भी इस महत्वपूर्ण यात्रा में अडानी के साथ है। यह यात्रा अडानी समूह के छत्तीसगढ़ में बढ़ते कदमों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

नर्मदा परिक्रमा पथ किया जायेगा विकसित - संबंधित विभागों के समन्वित प्रयास से होंगे विकास कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुण्य सलिला माँ नर्मदा का मध्यप्रदेश को विशेष आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा के परिक्रमा पथ का श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए विकास किया जाएगा। इसके लिए मंत्रि-मंडलीय उप समिति का गठन किया गया है। परिक्रमा पथ के विकास के लिए सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से विशेष कार्य योजना तैयार कर विकास कार्य कराये जाएंगे। परिक्रमा पथ पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों के विकास, वृक्षारोपण, आवास निर्माण, अन्न क्षेत्र निर्माण आदि कार्य किये जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में अष्टधातु से निर्मित माँ नर्मदा की अलौकिक प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इंदौर नगर निगम द्वारा विकसित माँ नर्मदा चौराहे के सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शंख ध्वनि और मां नर्मदा के जयकारों के बीच मां नर्मदा की प्रतिमा का अनावरण किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस हर साल 12 जनवरी को मनाया जाता है। ह्ह द्वारा साल 1984 में युवा दिवस मनाने की शुरुआत हुई थी। युवाओं का देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान होता है। इस दिन को मनाने का मकसद युवाओं को प्रेरित करना है।

राष्ट्रीय युवा दिवस का इतिहास, महत्व: हर साल 12 जनवरी का दिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर मनाया जाता है। 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में स्वामी विवेकानंद जी का जन्म हुआ था। भारत में इस दिन को मनाने की शुरुआत साल 1985 से शुरू हुई थी। तब से हर साल इस दिन को मनाया जा रहा है।

स्वामी विवेकानंद जी अपने आदर्शों और विचारों के लिए भारत ही नहीं दुनियाभर में जाने जाते हैं। काफी कम उम्र में उन्होंने अपने विचारों से अपनी एक अलग पहचान कायम कर ली थी। उनके विचार युवाओं को प्रेरित करने का काम करते हैं। इस वजह से इस दिन को युवा दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। युवा देश का महत्वपूर्ण अंग हैं, जो देश को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

कैसे हुई थी इस दिन की शुरुआत: संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1984 को 'अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष' घोषित किया था। जिसके बाद भारत सरकार ने इस पर विचार किया और 1984 से हर साल 12 जनवरी यानी स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने का निर्णय लिया। 12 जनवरी 1985 को पहली बार राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया था।

राष्ट्रीय युवा दिवस 2025 की थीम: इस साल राष्ट्रीय युवा दिवस की थीम है, युवा एक स्थायी भविष्य के लिए् लचीलेपन और जिम्मेदारी के साथ राष्ट्र को आकार देना। यह थीम युवाओं को देश के विकास में एक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करती है।

राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने का उद्देश्य:

किसी भी देश का भविष्य वहां के युवाओं पर निर्भर करता है और भारत में युवाओं की आबादी ज्यादा है। देश के युवाओं को सही मार्ग दर्शन कराने के मकसद से ये दिन मनाया जाता है और विवेकानंद जी के जन्मदिन पर इस दिन को मनाने का मकसद ही है उनके विचारों से युवाओं को प्रेरित करना।

कैसे मनाते हैं ये दिन : इस दिन स्कूल, कॉलेज में तरह-तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। बच्चों को स्वामी विवेकानंद के बारे में, उनके अनमोल विचारों के बारे में बताया जाता है। (साभार)

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

ब्लॉग

स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन: संवाद, सामर्थ्य और समृद्धि की त्रिवेणी

डॉ. मोहन यादव

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

युवाओं की मेधा, शक्ति को जाग्रत करने वाले स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था, उठो,जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए विवेकानंद जी युवाओं को आशा और उम्मीद से देखते थे और युवा पीढ़ी को परिवर्तन का अग्रदूत मानते थे। स्वामी जी के लिये राष्ट्रकवि श्री रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी पुस्तक संस्कृति के चार अध्याय में लिखा कि अभिनव भारत को जो कुछ कहना था, वह विवेकानंद के मुख से उद्घोषित हुआ। अभिनव भारत को जिस दिशा में जाना था, उसका स्पष्ट संदेश विवेकानंद ने दिया। विवेकानंद वह सेतु हैं जिस पर प्राचीन और नवीन भारत परस्पर आलिंगन करते हैं। युवा शक्ति को राष्ट्र की मूलभूत चेतना और समाज निर्माण की ऊर्जा मानने वाले स्वामी विवेकानंद जी की जयंती %राष्ट्रीय युवा दिवस% पर उनके चरणों में शत-शत नमन।

हमारे मार्गदर्शक यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने युवा पीढ़ी की क्षमता को जाना, समझा और ज्ञान पर ध्यान का मार्गदर्शन दिया। इसमें जी से गरीब, वाय से युवा, ए से अन्नदाता और एन से नारी कल्याण की बात कही। उन्होंने युवाओं के लिये अनुशासन, शील, सकारात्मकता, कौशल क्षमता और प्रतिभा के विकास का आह्वान किया। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम मध्यप्रदेश में आज से स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन की शुरुआत कर रहे हैं।

हमने इस मिशन को ज्ञान पर ध्यान और मध्यप्रदेश की युवा नीति-2023 को केन्द्र में रखकर आकार दिया है। इसका उद्देश्य युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, रोज़गार के अवसर और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करना है। यह मिशन शहरी तथा ग्रामीण, पिछड़े और आर्थिक-सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं के कल्याण के लिये है। इसमें महिलाओं, दिव्यांग, युवाओं और किसानों को सशक्त बनाने का प्रयास है।

हमने युवाओं के विकास के लिये विभिन्न मोर्चों पर काम शुरू किया है। युवाओं के लिये विभिन्न विभागों में शासकीय नौकरी की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिये 55 पीएमश्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शुरू किये गये हैं। चिकित्सा शिक्षा के लिये आयुर्वेदिक, एलोपैथिक और होम्योपैथिक तीनों क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। विगत वर्ष हमने तीन मेडिकल कॉलेज शुरू किये हैं। मुझे यह बताते हुए आनंद है कि पीपीपी मोड पर 2 साल में 25 नये मेडिकल कॉलेज आरंभ किये जायेंगे। औद्योगिकरण में रोज़गार परक व्यवस्थाओं के लिये प्रदेश के विभिन्न अंचलों में आयोजित की जा रही रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का बड़ा आधार युवा शक्ति है। रीवा, उज्जैन, सहित अन्य आईटी पार्कों के माध्यम से युवाओं को अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर प्रदेश में ही रोज़गार के अवसर उपलब्ध हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन में युवाओं के कौशल संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना से रोज़गार के लिए आवश्यक दक्षताओं का विकास किया जाएगा। पर्यटन, कृषि और सेवा क्षेत्रों में कौशल विकास के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा, युवाओं में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और स्थानीय स्तर पर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की जाएंगी। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध जागरूकता और राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों से उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के प्रयास किए जाएंगे।

युवा शक्ति मिशन आत्म दीपो भवः का घोष है। युवाओं के विकास और निर्माण के लिये जिन पक्षों को धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है, वर्षों पूर्व स्वामी विवेकानंद जी ने युवाओं की इसी क्षमता और मेधा को लेकर आह्वान किया था आत्म दीपो भवःअर्थात् अपना दीप स्वयं बनो। स्वयं अपने मार्गदर्शक बनो। युवाओं की ऊर्जा के सकारात्मक भाव से ही राष्ट्र की सुरक्षा, समृद्धि के साथ विकास आकार ले सकता है। यह युवाओं की श्रम साधना और कौशल उन्नयन से संभव है।

प्रधानमंत्री जी ने युवा समूह के लिये समुचित प्रोत्साहन की आवश्यकता बताई। यह सुखद संयोग है कि भारत में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की संख्या 27.03 प्रतिशत है। यदि युवा सक्षम हैं, सामर्थ्यवान हैं, आत्मनिर्भर हैं तो पूरा समाज और देश उन्नत होगा। स्वामी विवेकानंद जी की इसी बात को ध्यान में रखकर स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के तहत युवाओं में शिक्षा, कौशल विकास और सामुदायिक सेवा जैसे गुणों को विकसित किया जायेगा और उन्हें सक्षम बनाया जायेगा। इसमें युवाओं को नेतृत्ववान बनाने के लिये संसाधन और अवसर होंगे। युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावसायिक कौशल से प्रशिक्षित कर उन्हें रोज़गार के लिये सक्षम बनाया जायेगा।

मिशन के स्तंभ हैं- संवाद, सामर्थ्य और समृद्धि। संवाद से आत्मविश्वास और नेतृत्व की क्षमता विकसित होगी। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, क्षमता संवर्धन और कौशल विकास से सामर्थ्य विकसित होगा और सामर्थ्यवान युवा समृद्ध होगा।

हमारे लिये यह हर्ष की बात है कि इस मिशन से युवा, स्वामी विवेकानंद जी के आह्वान को सार्थक करने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। वे भगवान श्रीकृष्ण की तरह स्वयं दीप बनेंगे और समाज को भी अपनी ऊर्जा और क्षमता से उज्ज्वल करेंगे। स्वामी जी ने युवाओं के लिये कहा था कि आप भारतीय संस्कृति की विराट विरासत और परंपरा के उत्तराधिकारी हैं। हम विरासत से विकास की अवधारणा को लेकर मध्यप्रदेश के विकास और निर्माण पथ पर अग्रसर हैं।

मुझे विश्वास है कि यह मिशन युवाओं के सपनों को साकार करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सफल होगा। प्राचीन, सुसंस्कृत और चिर युवा भारत की यह त्रिवेणी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित राष्ट्र निर्माण के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभायेगी। युवा अपने सपनों को साकार करें, स्वयं आगे बढ़ें और समाज, देश तथा प्रदेश को आगे बढ़ायें।

मुझे संतोष है कि मध्यप्रदेश का युवा प्रदेश सरकार पर भरोसा करता है। इस मिशन से उनके जीवन में नया सूर्य उगे, उनका जीवन आलोकित हो और वे समाज के लिये रचनात्मक और सृजनात्मक कार्यों में सहभागी बनें।

युवाओं को जाग्रत करने और भारतीय आध्यात्म और संस्कृति को वैश्विक पटल पर स्थापित करने वाले स्वामी विवेकानंद जी को पुनश्च नमन।

धार्मिक बनिए धर्मान्ध नहीं!

युवादिवस/जयराम शुक्ल

स्वामी विवेकानंद युवाओं के आदर्श हैं। उनकी जयंती पर युवा दिवस मनाया जाता है। उनके बारे में इतना कुछ लिखा पढ़ा जा चुका है कि एक औसत युवा भी कुछ न कुछ तो जानता ही है। स्वामीजी ने भारतीय ग्यान परंपरा, अध्यात्म और सनातनी संस्कृति की कीर्तिपताका को विश्व में फहराया। अमेरिका धर्मसंसद में दिए गए भाषण और फिर विद्वानों द्वारा की गई व्याख्या की वजह से उन्हें विश्वव्यापी ख्याति मिली।

युवाओं के भविष्य की जितनी चिंता स्वामीजी ने की शायद ही किसी मनीषी ने की हो। वे हमेशा यह कहते- सृष्टि में जो कुछ भी श्रेष्ठ है वह तुम्हारे भीतर है उसे पहचानो, उठो, जागो और लक्ष्य तक पहुँचो। विवेकानंद ने धर्म को तर्क की कसौटी पर परखने की सीख दी और कहा- धार्मिक बनो लेकिन धर्मान्ध नहीं।

उनकी प्रसिद्ध उक्ति है- कोई मुझसे पूछे कि गीता पढ़ोगे या फुटबॉल खेलोगे, मैं अवश्य ही पहले फुटबॉल खेलना चाहूँगा क्योंकि कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मानस के चलते ही गीता समझ में आएगी। वे युवाओं के नेतृत्व वाले समाज की कल्पना करते और कहते कि 100 विवेकी और सामर्थ्य युवा किसी भी क्षेत्र में क्रांति लाने में सक्षम हैं।

वे युग की अच्छाइयों को देशानुकूल ढ़ालने और अपने देश की विशिष्टता को युगानुकूल बनाने की बात करते थे। स्वामीजी ने यूरोप और अमेरिका में जगह-जगह पहुँचकर व्याख्यान दिए। भारत की पुरातन और सनातन विशिष्टता को जन-जन तक पहुँचाया। वे जीवन पर्यंत भारतीय सनातनता और मेधा को वैश्वक क्षितिज देने के लिए प्रयत्नशील रहे।

कभी-कभी विचार आता है कि यदि स्वामीजी अमेरिका न गए होते तो क्या उनको इतनी ख्याति मिलती? शायद नहीं। इसलिये ऐसा लगता है कि उनके समकालीन और भी कई ऐसे उद्भट विद्वान रहे होंगे जिन्हें विदेश जाने का अवसर नहीं मिला इसलिये वे वैश्विक नहीं हो पाए। और यहां अपने देश में उनके गुन के गाहक नहीं मिले। हमारी आज भी यही सबसे बड़ी ग्रंथि है कि हम अपने ही गुन के गाहक नहीं हैं। ..घर का जोगी जोगड़ा आन गाँव का सिद्ध..। इस प्रवृत्ति ने भारतीय मेधा का बड़ा नुकसान किया है। समय के साथ कम होने की बजाय आज वह नजरिया और भी मजबूत हो चुका है।

कुछ बरस पहले एक वैज्ञानिक वेंकटरामण रामाकृष्णन को रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार मिला, संभवत: 2009 में। वे गुजरात के बडौदा में पढ़े थे। बाद में विदेश गए और ट्रिनटी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई व शोधकार्य पूरा किया। पुरस्कार मिलने के बाद उनके इंटरव्यू का वो कथन याद है जिसमें उन्होंने यह बताया था कि भारत में प्रतिभाओं को किस तरह हतोत्साहित किया जाता है। आगे बढ़े नहीं कि टाँग खींचने के लिए अपने ही लोग तैयार।

व्यंकटरामण ने यह भी बताया था कि मेरे साथ पढ़ने वाले कई छात्र तो मुझसे भी मेधावी थे। उनके वे साथी आज भी होंगे अपने ही भारत में किसी स्कूल व कालेज में पढ़ा रहे होंगे या पटवारी-कानूनगो बनकर गिरस्ती चला रहे होंगे। मेधावी होते हुए वे नोबल तक इसलिये नहीं पहुँच पाए कि विदेश गए नहीं और देश के लिए देसी के देसी बने रहे।

अगर मुझे फुटबॉल खेलने या गीता पढ़ने में किसी एक को चुनना पड़े तो मैं पहले फुटबॉल खेलना पसंद करूंगा, क्यों जब शरीर स्वस्थ होगा तभी मष्तिष्क को गीता का संदेश और मर्म समझ में आएगा

- स्वामी विवेकानंद

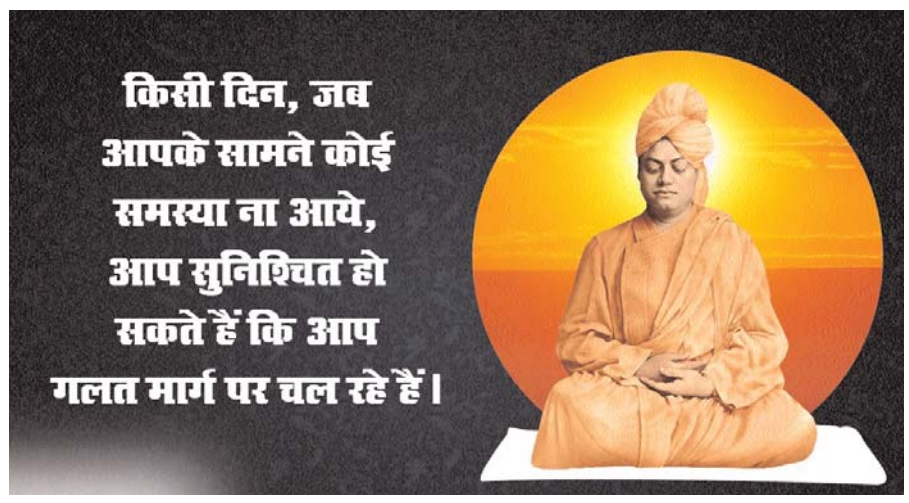

विज्ञान, धर्म आध्यात्म के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी देखें तो अपने यहाँ उसी को प्रतिष्ठा मिली जो %फारेन रिटर्न% रहा। सत्तर के दशक तक तो %फारेन रिटर्न% शब्द सभी डिग्रियों में भारी पड़ता था, भले ही कोई विदेश से टैक्सी ड्रायवरी करके लौटा हो।

स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में अगली पंक्ति के प्राय: सभी नेता विदेश के पढ़े हुए थे, यहां तक कि देसज राजनीति करने वाले डाक्टर राममनोहर लोहिया भी। लोहिया को छोड़कर प्राय: ऐसे सभी इंग्लैण्ड ही पढ़ने गए और लौटकर उसी के खिलाफ संग्राम शुरू किया। (लोहिया ने जर्मनी में पढ़ाई की थी)

आप कह सकते हैं कि उन दिनों अपने देश में उच्चस्तरीय शिक्षण संस्थान नहीं थे इसलिए गए। पर मैं मानता हूँ कि विदेश में प्रतिभा की कदर रही होगी और बिना भेदभाव के पढ़ाई होती रही होगी इसलिए जो वहाँ से पढकर लौटे तो अँग्रेज बनकर नहीं, पक्के राष्ट्रभक्त होकर लौटे, विदेश की संस्कृति के रौ में बहे नहीं।

विदेश के लोगों व वहाँ की शिक्षापद्धति में कुछ ऐसी खास बात तो है कि वहाँ प्रतिभा का सम्मान होता हैं, इसीलिए भारतीय मूल के न जाने कितनों को नोबेल समेत अन्य सम्मान मिले। आज भी कई वहाँ की संसद में हैं, मंत्री, गवर्नर और कई देशों के राष्ट्रपति भी।

क्या आपको यह नहीं लगता कि हम एक ऐसी हीनग्रंथि के शिकार बन चुके हैं जिसके चलते खुदपर ही भरोसा नहीं रहा और उसे ही अपनी नियति मान लिया। हमारा चरित्र इतना ईर्षालु हो चुका हैं कि दूसरे की प्रतिभा को बर्दाश्त नहीं कर पाते। हमारी नजरों में वही बड़ा लेखक, वैज्ञानिक, दार्शनिक, फिल्मकार है जिसे बुकर, पुलित्जर, नोबेल, आस्कर मिलते हैं। अपने यहाँ रहके कोई भले ही आसमान के तारों को छूले वह घर के जोगी का जोगी ही बना रहेगा।

ऐसा क्यों है? जब इस पर जब भी विचार करते हैं तो पीछे की ओर लौटना पड़ता है। भारत ने विश्वज्ञानकोष को जितना भी कुछ दिया है वह सातवीं शताब्दी के पहले। चरक, कणाद, भाष्कराचार्य, आर्यभट्ट, पणिन,भरतमुनि, नागार्जुन आदि सभी वैज्ञानिक सातवीं सदी के पहले ही हुए हैं। इसके बाद भारत में मौलिक वैज्ञानिक अन्वेषण की परंपरा खत्म सी हो गई। सातवीं सदी के पहले तक भारत की स्थिति वही थी जो इंगलैड और अमेरिका की आज है। नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय थे जहाँ विश्व भर से छात्र वैसे ही पढ़ने आते थे जैसे आज कैंमब्रिज,आक्सफोर्ड और ट्रिनटी जाते हैं।

विदेशी हमलावरों ने धन दौलत और राज्य बाद में लूटा, उनके पहले निशाने पर यहां के शैक्षणिक संस्थान और यहां की ग्यान परंपरा रही। बख्तियार खिलजी ने जब नालंदा में आग लगाई तो उसके सैनिक महीनों किताबों को तापते रहे। मध्यकाल तक आते आते सब कुछ लगभग नष्ट हो गया। इसलिये जितने भी ज्ञानी थे सबने खुद को ईश्वर के हवाले कर दिया साहित्य में भक्तिकाल इसी परिस्थितिजन्य मजबूरी का नाम है।

अँग्रेज यहाँ आए तो उन्होंने भारतीय शिक्षा संस्कृति व गुरु-शिष्य परंपरा की जाजम ही पलट दी। हम पर ऐसी शिक्षा पद्धति थोपी जो हमारे खुद के वजूद पर ही संदेह पैदा करने वाली थी, उसी को आज भी हम ओढ़े-दसाए चल रहे हैं। हमारा सनातनी ज्ञान और कृतियाँ को जो कैसे भी श्रुति-स्मृति के जरिए चलती चली आईं उन्हें अँग्रेजों ने मिथ करार देकर खारिज करना शुरू कर दिया। अब देसी अँग्रेज उसी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

आज हालात यह है कि अमेरिका के नासा ने भले ही रामसेतु के अस्तित्व की पुष्टि की हो पर जब हम राम-रामायण, कृष्ण-महाभारत की बात करते हैं और उसे अपने सनातनी गौरव के साथ जोड़ते हैं तो कोई विदेश में रहने वाले नहीं यहाँ के अपने ही देसी विद्वान चढ़ बैठते हैं, बोलने वाले का गला पकड़ लेते हैं।

बहस शुरू हो जाती है कि राम-कृष्ण काल्पनिक पात्र हैं इनका हमारे इतिहास से कोई वास्ता नहीं। रामायण-महाभारत में दर्ज प्रसंग महज मायथालाजी हैं, कवियों की कोरी कल्पना। जिन विद्वानों और अन्वेषकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे भारत की सनातनी संस्कृति, यहां के शोध-अनुसंधान के बिखरे सूत्रों को सहेजकर फिर उसी गौरव को वापस लाने की दिशा में काम करें, वे पूरा वक्त इसी खोज में लगा देते हैं कि हम पूर्वकाल की भारतीय ज्ञान की पूँजी को कैसे पुंगी में बदल दें।

अपने देसी बौद्धिकों की इस अधकचरी नस्ल ने देश का सबसे ज्यादा बेडा गर्क किया है। इन्हीं के बनाए वातावरण के चलते हमारा आत्मविश्वास इतना खोंखला हो गया है कि जब किसी प्रतिभा को विदेश में सम्मान मिलता है तभी हम उसे स्वीकार करते हैं।

इन्हें यह बात भी अच्छे से जान लेना चाहिए कि स्वामी विवेकानंद ने शिकागों में उसी सनातनी दर्शन और इन अधकचरे बौद्धिकों द्वारा घोषित कर दिए गए मिथकों और मायथालाजी के ही दृष्टांत देकर भारतीय की मेधा की धाक जमाई।

राजनीति ने भी कुछ कम नुकसान नहीं किया। भारत में यह केंद्रीय तत्व बनकर गर्भगृह में प्रतिष्ठित हो गई। अब तो कोई भी बात राजनीति से शुरू होती है और वहीं खत्म भी।

राजनीति हमारी रगों में आ गई, वायुमंडल में छा गई,अब ज्ञान की रोशनी उसी से छनकर हम तक पहुँचती है। नजर उठाकर देखें, अपने यहाँ गली, मोहल्ले, नाले, नरदे से लेकर चौराहे सार्वजनिक इमारतें,यहाँ तक कि ज्ञान-विज्ञान के संस्थान सभी नेताओं के नाम पर हैं। यूरोप घूमकर आने वाले बताते हैं कि वहाँ के वैज्ञानिकों, कलाकारों का इतना सम्मान है कि सड़क चौराहों की बात छोड़िए हवाई अड्डे तक वैज्ञानिकों, कलाकारों के नामपर हैं।

आज हम यदि विश्वगुरु बनने की बात करते हैं तो प्रतिभाओं के आँकलन का अपना पैमाना बनाएं, उन्हें सम्मान दें यह न ताके बैठे रहें कि जब बुकर मिलेगा तभी बड़ा लेखक मानेंगे।

विवेकानंद ने भारतीय स्वाभिमान की वैश्विक प्राणप्रतिष्ठा की। उन्हें युवाओं का आदर्श बनाएं न बनाएं पूजें या न पूजें भारत को हर क्षेत्र में स्वाभिमानी बनाए जैसी कि स्वामी जी की अभिलाषा थी। इस ग्रंथि को हिंद महासागर में विसर्जित कर दें कि जो कुछ विदेश से आ रहा है वही श्रेष्ठ है, यह धारणा बननी चाहिए कि हमारा अपना उससे भी श्रेष्ठ है। लेकिन यह लफ्फाजी नहीं वास्तव में हर मानदंड में श्रेष्ठ रहे इसका भी जतन करें।

देश की बदलती राजनीति और महिला मतदाता

राकेश दुबे

लगभग यह धारणा पुष्ट होती जा रही है कि जिन राज्यों में महिला केंद्रित योजनाएं लागू हुई हैं, वहां महिलाओं के वोट प्रतिशत में वृद्धि हुई है। और इसी कारण अब हर चुनाव से पहले महिलाओं को लुभाने की कवायद हर राजनीतिक दल करने लगता है। पिछले दिनों मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में इन लोकलुभावन योजनाओं ने सरकारों की सत्ता में फिर वापसी सुनिश्चित की है। निष्कर्ष में कहा जा सकता है कि जब किसी राज्य में महिलाओं का विकास होता है तो वे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति अधिक सजग हुई हैं। उन्हें सरकारों की मुफ्त की स्कीमें भी खूब लुभा रही हैं।

एसबीआई की ताज़ा रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि महिला केंद्रित योजना लागू करने वाले राज्यों की संख्या 19 हो गई है। जिसमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, असम व कर्नाटक जैसे राज्य अग्रणी हैं। इन राज्यों में औसतन 7.8 लाख (कुल 1.5 करोड़) महिला वोटरों की संख्या में इजाफा हुआ है। वहीं दूसरी ओर जिन राज्यों में महिला केंद्रित योजनाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया, वहां महिला वोटरों की औसत संख्या में कम इजाफा हुआ है। निर्विवाद रूप से विभिन्न चुनावों में लगातार महिला वोटरों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। यहां तक कि किसी भी राजनीतिक दल की जीत या हार में उनकी निर्णायक भूमिका साफ नजर आ रही है।

शोध अध्ययन बताता है कि वर्ष 2019 के आम चुनाव के मुकाबले वर्ष 2024 में 1.8 करोड़ अधिक महिला वोटरों ने मतदान किया। ये आंकड़ा पिछले दिनों देश के चुनाव आयोग ने जारी किया। दूसरी ओर एसबीआई के शोध ने उन कारणों का विश्लेषण किया जो महिला वोटरों की संख्या बढ़ाने में सहायक बने। एसबीआई की रिपोर्ट बताती है कि प्रधानमंत्री जनधन योजना और मुद्रा खाता खोलने का असर साफ दिखा। साथ ही यह भी निष्कर्ष दिया कि उन राज्यों में महिलाओं की लोकतांत्रिक प्रकिया में भागीदारी बढ़ी है जहां महिला केंद्रित योजनाएं अस्तित्व में आई हैं।

वहीं अध्ययन खुलासा करता है कि महिला साक्षरता में वृद्धि का सीधा संबंध महिला वोटरों की संख्या बढ़ने से है। महिला साक्षरता में एक फीसदी की वृद्धि से महिला वोटरों की संख्या में पच्चीस फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार साक्षरता में वृद्धि से तीस लाख अतिरिक्त महिलाओं ने वोट डाले। इसी तरह जहां पीएम आवास योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी हुई, वहां भी महिला वोटरों की संख्या बढ़ी है। दिलचस्प पहलू यह भी कि एससी और एसटी वर्ग में वोटिंग में लगातार इजाफा हुआ, वहीं सामान्य वर्ग में कम हुआ। पिछले दस वर्षों में जिन नौ करोड़ नये वोटरों ने वोट दिया, उसमें महिलाओं की हिस्सेदारी 5.3 करोड़ है। अत: सरकार बनाने में महिला वोटरों की भूमिका लगातार बढ़ी है। महिला मतदाताओं की संख्या में वृद्धि के मूल में जिन चार मुख्य योजनाओं की भूमिका है, उनमें मुद्रा योजना, पीएम आवास योजना व स्वच्छता योजना शामिल हैं। दूसरी ओर बिजली, पानी आदि सुविधाओं में वृद्धि ने भी मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न राजनीतिक दलों व सरकारों द्वारा महिला मतदाताओं को नकद धनराशि देने की योजनाओं को भी सकारात्मक प्रतिसाद मिला। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड में सत्तारूढ़ दलों की चुनावों के बाद फिर वापसी में महिला वोटरों की भूमिका निर्णायक रही। मध्यप्रदेश में लाडली बहन, महाराष्ट्र में माझी लाडकी बहिन व झारखंड में मंईयां सम्मान योजना इसके उदाहरण हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार, कर्नाटक में गृहलक्ष्मी , ओडिशा में शुभद्रा योजना तथा असम में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना सामने आई है। यह होड़ आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में भी नजर आ रही है। एक ओर जहां आप सरकार ने महिला वोटरों के लिये महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपये देने का वायदा किया, वहीं कांग्रेस ढाई हजार रुपये देने की योजना बना रही है। इस दिशा में भाजपा भी गंभीर है। दरअसल, दिल्ली में महिला वोटरों का प्रतिशत पुरुष वोटरों के पास पहुंच गया है। कहा जाता है कि साल 2020 के चुनावों में महिला मतदान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन जरूरत इस बात की है कि योजनाएं स्थायी प्रभाव व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली हों।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सामूहिक सूर्य नमस्कार आयोजित किया गया

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- स्वामी विवेकानंद जी जयंती ÷युवा दिवस÷ के अवसर पर जिले के सभी स्कूल-कॉलेजों, आश्रम-शालाओं सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों में सामूहिक सूर्यनमस्कार आयोजित किया गया। जिला मुख्यालय रायसेन स्थित खेल स्टेडियम में आयोजित किए गए जिला स्तरीय सामूहिक सूर्यनमस्कार कार्यक्रम में स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, नगर पालिक अध्यक्ष सविता सेन, कलेक्टर अरविंद दुबे सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों, आमजन तथा विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता की गई। सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में राष्ट्रगीत वन्देमातरम् का गायन किया गया और स्वामी विवेकानंद जी की वाणी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश का प्रसारण भी सुना गया। खेल स्टेडियम में आकाशवाणी से प्रसारित कार्यक्रम के अनुरूप छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने एक साथ सामूहिक सूर्य नमस्कार किया और अनुलोम-विलोम, भ्रामरी एवं भ्रस्त्रिका प्राणायाम किया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा शहर के विकास कार्यों की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस रीवा में शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों के साथ ही आगामी समय में पुर्नधनत्वीकरण योजना से कराये जाने वाले कार्यों की जानकारी प्राप्त की। बैठक में शहर में बनायी जाने वाली मल्टी लेवल पार्किंग, कोठी कम्पाउंड में महिला हाट निर्माण, जनपद पंचायत कार्यालय निर्माण, इंजीनियरिंग कालेज में क्वार्टस निर्माण, तथा मनगवां के मलकपुर तालाब सौन्दर्यीकरण कार्य की कार्ययोजना की जानकारी उप मुख्यमंत्री ने ली। उन्होंने ढेकहा तिराहा से करहिया मंडी सड़क निर्माण, एसडीएम कार्यालय तथा सर्किट हाउस एवं पीडब्लूडी भवन निर्माण सहित निर्माणाधीन समस्त कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

टाटा प्ले लेकर आया है दिव्य महाकुंभ के दर्शन प्रयागराज से

मुंबई, एजेंसी। हर हर महादेव, महाकुंभ में शामिल होने का महासंयोग अब आप सभी को प्राप्त होने वाला है, वो भी घर बैठे आराम से। क्योंकि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक टाटा प्ले लेकर आ रहा है अपने अराधना चैनल पर 24/7 महाकुंभ दर्शन का सीधा प्रसारण, जिसमें आप बिना किसी विज्ञापन के दिव्यता का अनुभव कर सकेंगे। शाही स्नान (पवित्र स्नान), मंत्रमुग्ध करने वाली शाम की गंगा आरती, अखाड़ों के रंगीन जुलूस और प्रसिद्ध दिग्गजों द्वारा आध्यात्मिक उपदेश के साथ शानदार दृश्य ख़ास आप सभी के लिए प्रसारित किए जाएंगे। इतना ही नहीं आप मठों के समूहों की समृद्ध परंपराओं से परिचित होंगे, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और दिल को छूने वाली कहानियों का अनुभव कर सकेंगे, इस ऐतिहासिक घटना का साक्षी बनने का सुनहरा अवसर आप सभी की लिए उपलब्ध है।

सबसे खुशी की बात यह है कि, यह अनुभव टाटा प्ले अराधना ग्राहकों के लिए पूरी तरह से मुफ्त है। जहां टाटा प्ले अराधना पर नियमित कार्यक्रम चैनल - 1051 पर जारी रहेगा, वहीं महाकुंभ दर्शन का 24/7 फीड चैनल- 1052 पर देख सकेंगे। तो बिना चूके एक भी पल लगातार महाकुंभ के जादू, उसकी आध्यात्मिकता और श्रद्धा में सराबोर होने के लिए तैयार हो जाएं।

फोनपे ने महाकुंभ में आने वाले लोगों के लिए एक अनोखा इंश्योरेंस लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। आज फोनपे ने एक अनोखे इंश्योरेंस कवरेज की घोषणा की, जिसे 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में होने वाले आगामी महाकुंभ मेले में भाग लेने वाले यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। इस कॉम्प्रिहेंसिव और अफोर्डेबल प्लान में दो विकल्प दिए गए हैं जो यात्रियों के एक बड़े समूह की आवश्यकताओं को पूरा करते है, इसमें शामिल है- बस या ट्रेन से यात्रा करने वाले व्यक्तियों के लिए 59 प्रति यात्री इंश्योरेंस और घरेलू फ्लाइट से यात्रा करने वाले व्यक्तियों के लिए 99 प्रति यात्री इंश्योरेंस। यह महाकुंभ मेला विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक हैं, जिसमें सभी क्षेत्रों के लाखों लोग शामिल होते हैं। इतने बड़े स्तर पर आयोजित होने वाले मेले से जुड़ी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, फोनपे ने आइसीआइसीआइ लोम्बार्ड के साथ मिलकर यात्रियों के लिए एक नया इंश्योरेंस प्लान लॉन्च किया है। यह इंश्योरेंस यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने, वित्तीय सुरक्षा और मानसिक शांति प्रदान करने में मदद करेगा।

महिंद्रा ने इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी-बीई 6 और एक्सइवी 9ई के टॉप-एंड वेरिएंट की कीमतों की घोषणा की

पुणे , एजेंसी। महिंद्रा ने अपने अनलिमिटेड इंडिया टेक डे पर अपनी प्रमुख इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी- बीई 6 और एक्सइवी 9ई के टॉप-एंड (पैक थ्री) वेरिएंट की कीमतों की घोषणा की। यह घोषणा 26 नवंबर, 2024 को आयोजित अनलिमिटेड इंडिया इवेंट की सफलता पर आधारित है, जहाँ बीई 6 और एक्सइवी 9ई का अनावरण किया गया था। महिंद्रा का प्रीमियम तकनीक के लोकतंत्रीकरण का दृष्टिकोण पैक थ्री के साथ केंद्र में है, जो लक्जरी, अत्याधुनिक सुविधाओं और बेजोड़ प्रदर्शन के उच्च अंत का प्रतिनिधित्व करती है। प्रीमियम ईवी के प्रति ग्राहकों के बढ़ते झुकाव को ध्यान में रखते हुए, महिंद्रा पहले चरण में बीई 6 और एक्सइवी 9ई दोनों के लिए विशेष रूप से पैक थ्री लॉन्च करेगी। पैक थ्री को और अधिक सुलभ बनाने के लिए, महिंद्रा ने एक अनूठा कार्यक्रम थ्री फॉर मी पेश किया है। महिंद्रा फाइनेंस द्वारा लाया गया यह कार्यक्रम सुनिश्चित करता है कि पैक थ्री वेरिएंट को पैक वन के समान मासिक ईएमआई पर खरीदा जा सकता है, जिसमें छह साल के अंत में एक बैलून भुगतान होता है।

मालवा की पहली रोमांटिक फिल्म थारो म्हारो प्रेम की शूटिंग होगी इंदौर में

इंदौर, एजेंसी। मालवा की पहली रोमांटिक फिल्म थारो म्हारो प्रेम की शूटिंग जल्दी ही उज्जैन ,इंदौर, मंदसौर ,धार , रतलाम,नीमच के ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों पर की जाएगी साथ ही फिल्म में मालवा के स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ मालवा के बॉलीवुड में स्थापित कलाकारों को भी शामिल किया जाएगा, फिल्म के शूटिंग के लिए ग्रामीण गांव की पृष्ठभूमि के लिए आदर्श गांव बाला गुड़ा का चयन किया गया है फिल्म के गानों का फिल्मांकन उज्जैन महाकाल लोक एवं यहां की सांस्कृतिक धार्मिक धरोहरों पर किया जाएगा इस मालवी फिल्म में बॉलीवुड के प्रख्यात सिंगर के गाने रिकॉर्ड किए जाएंगे । मालवा के प्रमुख लोक कवि की रचनाओं को इस फिल्म में प्रमुखता से शामिल किया गया है, फिल्म में 6 गाने हैं , स्वर्गीय भावसार बा द्वारा लिखित, स्वर्गीय मदन सिंह जोशी भागवत आचार्य द्वारा लिखित, आगर मालवा की लोक गायिका स्वर कोकिला की उपाधि से सम्मानित पुखराज पांडे जी ,मंदसौर की लोक गायिका श्रीमती सुगंध देवी गंधर्व जी, संजा के गीतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए, देश-विदेश में मालवी बोली को प्रचार करने के लिए श्रीमती माया देवी नारायणी बदेका मालवेंद्र जी का बहुत बड़ा योगदान है , माया जी द्वारा लिखित संजा के लोकप्रिय गीत को फिल्म थारो म्हारो प्रेम में फिल्म में शामिल करने का सौभाग्य मिला।

प्रयास होगा कि आने वाले समय में यातायात बेहतर करें तथा पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके: पुलिस अधीक्षक सोमवंशी

शांति समिति की बैठक में चर्चा के दौरान आए मुद्दे अनुसार विशाल मेगा मार्ट से धरमपुरा तक कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने पैदल रास्ते का भ्रमण कर लिया जायजा दिए अहम दिशा-निर्देश

दमोह -शांति समिति की बैठक में चर्चा के दौरान आए मुद्दे अनुसार विशाल मेगा मार्ट से धरमपुरा तक के मार्ग में ट्रैफिक की बहुत दिक्कत होती हैं, जिसके कारण से आए दिन जाम और दुर्घटनाएं की स्थिति निर्मित होती है। इसी के संबंध में आज कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर एवं पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने पैदल रास्ते का भ्रमण कर जायजा लिया। इस सबंध में कलेक्टर कोचर ने बताया पूरा रूट देखा गया हैं। उन्होंने कहा इस रूट पर लगभग डेढ़ से 2 किलोमीटर का निरीक्षण किया हैं, जिससे यह समझ में आया हैं कि रोड को थोड़ा चौड़ा करने की आवश्यकता है, उसके लिए स्पेस आराम से निकल सकता हैं, यदि बिजली के खम्बे थोड़े पीछे कर दिए जाएं जिससे रास्ता चौड़ा कर बीच में डिवाइडर लगवा दें, इस सिलसिले में एक सैद्धांतिक सहमति बनी हैं, जल्द ही इस संबंध में प्रस्ताव तैयार करके और इसके लिए राशि की व्यवस्था करके कोशिश करेंगे कि जल्दी यह काम प्रारंभ किया जायेगा।

उन्होंने कहा प्राथमिकता हैं कि यातायात व्यवस्था को दुरस्थ किया जाये। नालिया पहले से बनी हुई है उन नालियों के पास जहां तक रोड बनाई जाए ताकि लोगों को यातायात के लिए अच्छी जगह मिल जाए। उन्होंने कहा यदि कोई अतिक्रमण में आता है तो उसको तोड़ा जाएगा चाहे वह नाले के ऊपर अतिक्रमण हो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने कहा विशाल मेगा मार्ट क्षेत्र और सीएसपी कार्यालय रोड के दोनों तरफ के जो अतिक्रमण है, यातायात को लेकर क्या सुधार करने की आवश्यकता है इसका एक रिव्यू किया हैं। उन्होंने कहा आने वाले समय में यातायात बेहतर करने का प्रयास किया जाये। साथ ही आमजन की जो पार्किंग की व्यवस्था हैं उसको भी ठीक करने का भी प्रयास किया जायेगा।

इस अवसर पर एसडीएम दमोह आर एल बागरी, सीएसपी अभिषेक तिवारी, यातायात प्रभारी दलबीर सिंह मार्को सहित राजस्व, पुलिस, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जबेरा महादेव घाट में स्थापित होगी भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति

स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे संस्कृति पर्यटन राज्यमंत्री मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र लोधी एवं सांसद राहुल सिंह लोधी

दमोह - जबेरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत महादेव घाट मंदिर (रोड़) में भगवान बिरसा मुंडा जी की मूर्ति स्थापना के संबंध में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी एवं दमोह सांसद श्री राहुल सिंह लोधी ने पहुंच कर स्थल का निरीक्षण किया। भगवान बिरसा मुंडा जी की मूर्ति की ऊंचाई लगभग 11 फिट रहेगी, जिसको भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती के पूर्व स्थापित किया जाना है। बैठक के दौरान राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि हमारे महापुरुषों ने अंग्रेजों से स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी और हम सभी की रक्षा के लिए अपना बलिदान और त्याग किया, ऐसे महापुरुषों को सदियों तक याद किया जाएगा।

मूर्ति की स्थापना से भगवान बिरसा मुंडा जी की गौरव गाथा को याद किया जाएगा। सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा जब कोई महापुरुष देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान देता है तो वह महापुरुष किसी एक जाति का नहीं होता और ऐसे ही हमारे भगवान बिरसा मुंडा जी ने हम सभी की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया है और उन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई करते हुए जल, जंगल और जमीन की रक्षा की है, वे हम सभी के लिए गौरवान्वित करते हैं।

हजारों वाहन निकलते हैं दिन भर में

भोपाल नाका कन्नौद मार्ग पर वाहनों का अधिक दबाव उसके बाद भी चौराहे का अतिक्रमण नहीं हट

आष्टा। भोपाल कन्नौद मार्ग पर भोपाल चौराहे पर दिन भर में कई बार जाम के हालात बनते हैं यहां यातायात का अधिक दबाव रहता है चौराहे पर अतिक्रमण होने से कई बार दुर्घटना का अंदेशा भी बना रहता है उसके बाद भी जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बता दे की पुराना इंदौर भोपाल, सुजालपुर कन्नौज मार्ग, बाईपास जाने वाले वाहनों की संख्या हजारों में रहती है भोपाल सीहोर की ओर जाने वाले वाहन भी इसी चौराहे से निकलते हैं ऐसे में शहर से कन्नौद,इंदौर की ओर जाने वाले वाहन और इछावर की ओर से बाईपास जाने वाले वाहनों को चौराहे पर क्रॉस करते समय रुक-रुक कर निकालना पड़ता है। इस दौरान कई बार हादसों की आशंका भी रहती है कई बार वाहन आपस मे टकराने से बचते हैं।

चौराहे की ओर किसी का भी ध्यान नहीं

शहर के सबसे व्यस्ततम चौराहों में से एक है भोपाल नाका चौराहा यहां पर पुराना भोपाल इंदौर मार्ग, सुजालपुर पचोर कन्नौद एवं इंदौर जाने वाले वाहन निकलते हैं उसके बाद भी नगर पालिका प्रशासन इस ध्यान नहीं दे रहा है। जबकि चौराहा पर यातायात का अधिक दबाव रहता है अगर चौराहे का अतिक्रमण हट जाए तो कुछ हद तक यातायात व्यवस्था सुधर सकती है।

सिद्ध संतों की तपस्या और प्राचीन वैभव को समेटे सनातन समाज की श्रद्धा का केंद्र है रामलला मंदिर

सिरोंज //राम मंदिर निर्माण के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित ब्राह्मण भोजन के दौरान समिति ने किया धर्म संस्कृति में योगदान देने लिए विधायक शर्मा का सम्मान

सिरोंज। अयोध्या में भगवान श्री रामलला सरकार के मंदिर निर्माण की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नगर के प्राचीन श्री रामलला सरकार मंदिर में बस्ती के ब्राह्मण भोज का आयोजन किया गया। इस पवित्र मौके पर श्री रामलला सरकार सेवा समिति ने धर्म, सनातन हिंदू संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा का सम्मान पत्र देकर सम्मान भी किया। इस मौके पर मंदिर के महंत बुजुर्ग संत श्री बालकदास जी महाराज भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

राम मंदिर नवनिर्माण के एक वर्ष होने के उपलक्ष्य में आयोजित सनातन समाज समागम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने विस्तार के साथ सिरोंज शहर की प्राचीन संत परंपरा तथा ब्राह्मण भोजन पर प्रकाश डालते हुए चारों वर्णों के योगदानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले साल हम सब सौभाग्यशाली थे जिन्होंने सदियों से मंदिर निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे लाखों लाख तपस्वियों बलिदानियों की कारसेवा के बाद भव्य मंदिर निर्माण होकर रामलला को विराजमान होते देखा। हमारे शहर के इस अति प्राचीन तपोभूमि का भी आज जो हम वैभव इस रामलाल मंदिर का देख रहे हैं वह संत मणिराम दास जी की मेहनत त्याग तपस्या का परिणाम है। यह उनकी कृपा ही है कि भिक्षा के रूप में मिली एक एक पाई उन्होंने बचा कर रखी और इस मंदिर का नवनिर्माण हो सका। आज सही मायने में तो अभिनंदन यहां विराज रहे संत बालकदास जी का होना चाहिए क्योंकि यह वह संत हे जिन्होंने सियाराम बाबा सहित अनेक संतो के दर्शन,सेवा की है। पूर्व में मसानिया मंदिर में जब सालिग्राम विवाह हुआ था तब बालकदास जी बाल अवस्था में सेवक थे। जिन्हें अपने पूर्ववर्ती सिद्ध संतो का सन्निध्य मिला है।

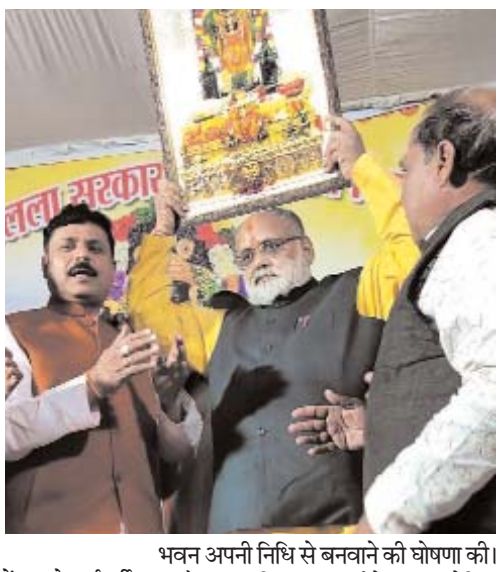

कार्यक्रम के दौरान रामलला मंदिर सेवा समिति द्वारा सम्मानित किए गए प्रशस्ति पत्र को उन्होंने महंत बालकदास जी के चरणों में समर्पित करते हुए समिति तथा सामाजिक मांग अनुसार इस मंदिर में पूर्व में अपनी विधायक निधि से बनवाए गए विशाल हॉल की दूसरी मंजिल पर करीब तीन हजार वर्गफिट का जनचेतना संस्कार केंद्र बनाने के लिए नवीन भवन अपनी निधि से बनवाने की घोषणा की। इसके उपरांत विधायक शर्मा ने यहां आयोजित नगर ब्राह्मण भोजन में प्रसादी भी ग्रहण की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से कैलाश सोनी,पदम ताम्रकार,संजय सोनी,रूपेश यादव,महेंद्र रघुवंशी,आशीष सोनी,नारायण हरी सोनी,अशोक गोयल,राजेश भार्गव,ओमप्रकाश झा,हीरालाल सोनी,अशोक सोनी,राजेश नामदेव,रिंकू यादव सहित समिति के सदस्यगण, ब्राह्मणबंधु एवं सनातन समाज के नागरिकगण मौजूद रहे।

मध्य भारत के सबसे बड़े एक्जीबिशन प्लास्ट पैक व्यापार और तकनीकी विशेषज्ञता के साथ छात्रों और युवाओं के लिए नए अवसर का केंद्र

इंदौर, एजेंसी। प्लास्टिक और पैकेजिंग उद्योग के लिए क्रांतिकारी कदम 'प्लास्ट पैक 2025' ने अपने दर्शकों और उद्योग विशेषज्ञों को खूब आकर्षित किया। इंदौर के लाभगंगा ग्राउंड में आयोजित इस मेगा इवेंट में तकनीकी नवाचार, रोबोटिक्स, और पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाओं ने उद्योगपतियों और दर्शकों का ध्यान खींचा। इस आयोजन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव नेकिया। 65 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन पहले दिन तक हो चुके थे द्य 9 जनवरी से 12 जनवरी तक चलने वाले इस आयोजन में लगभग 50 हजारसे अधिक मेहमानों की उपस्थिति दर्ज की गई।आयोजन के दूसरे दिन लाइव मशीन प्रदर्शन ने उद्योग जगत के पेशेवरों और छात्रों का ध्यान खींचा। इनोवेटिव मशीनों और रोबोटिक्स के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के तरीकों पर विशेष जानकारी दी गई। लाइव मशीन प्रदर्शन और रोबोटिक्स सत्र ने प्रदर्शनी में एक नई ऊर्जा लाई है। ये तकनीक न केवल उद्योग जगत को फायदा पहुंचाएगी, बल्कि छात्रों को भी प्रेरित करेगी। हम स्थानीय उद्योगों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए तत्पर हैं।

यह एक्जीबिशन न केवल व्यापार और तकनीकी विशेषज्ञता का केंद्र बनी, बल्कि छात्रों और युवाओं के लिए नए अवसर भी लेकर आई। एक्जीबिशन के दौरान, जॉब फेयर और इंटरएक्टिव सेमिनार्स ने बड़ी संख्या में नौकरियों और उद्यमिता की संभावनाओं को उजागर किया। एक्जीबिशन के तीसरे दिन तक लगभग 17 बच्चों का प्लेसमेंट हो चुका था, जबकि 35 बच्चों का अगले राउंड लिए चयन किया गया। प्लास्ट पैक 2025 की टीम को उम्मीद है कि चार दिन चलने वाले इस एक्जीबिशन 100 से अधिक बच्चों को जॉब मिलेगी।

रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का मेला

तीसरे दिन का मुख्य आकर्षण रहा - रोबोटिक्स लाइव डेमो जोन, जहां अत्याधुनिक रोबोट्स ने प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण, पैकेजिंग और रीसाइक्लिंग की वास्तविक प्रक्रिया को प्रदर्शित किया। 'पिक एंड प्लेस' नामक एक रोबोट 2 सेकंड से भी कम समय में प्लास्टिक से बने उत्पादों को मशीन से निकाल कर बहुत ही बेहतर ढंग से रख रहा था, जिससे लेबर में आने वाली लागत में कमी आती है, और काम एवं उत्पाद की गुणवत्ता में भी बढ़ोतरी होती है। एक अन्य रोबोट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करते हुए दोषपूर्ण उत्पादों की पहचान की और उन्हें अलग किया, जिससे औद्योगिक उत्पादन की गुणवत्ता को नया आयाम मिल रहा है। रीसाइक्लिंग ज़ोन में, कई रोबोट उपयोग हो रहे हैं जो प्लास्टिक कचरे को पुनः उपयोग के लिए तैयार किया, जिससे प्रदूषण कम करने और संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया गया। एक्जीबिशन में शामिल हुए दर्शकों ने इन तकनीकों को न केवल देखा, बल्कि विशेषज्ञों से इनके उपयोग और व्यावसायिक लाभों के बारे में जानकारी भी ली।

श्री लड्डू गोपाल मंदिर में चल रही भागवत कथा का हुआ विश्राम विशाल भंडारा

छतरपुर । देश के सबसे बड़े श्री लड्डू गोपाल मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा के प्रथम वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा का शुक्रवार को विराम हो गया । 4 जनवरी से प्रारम्भ हुई कथा के माध्यम से कथा व्यास पंडित श्री ओम प्रकाश शर्मा के मुखारविंद से प्रवाहित हुई भक्ति रसधारा का श्रोताओं ने पूरे सप्ताह आनंद लिया ।

कथा के मुख्य यजमान रहे श्रीमती सरिता अजय लाल ने बताया कि श्रीमद् भागवत सप्ताह भक्ति ज्ञान महायज्ञ के दौरान वही भक्ति रसधारा ने जीवन को नई ऊर्जा से भर दिया । श्रीमद् भागवत जी की कथा जीवन की दिशा और दशा बदलकर सही मार्ग पर चलने में सहायक सिद्ध होती है ।

गौरतलब है कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्री रामलला की मूर्ति स्थापित होने के साथ छतरपुर में लड्डू गोपाल मंदिर में भी इसी तिथि को भगवान लड्डू गोपाल की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। हिन्दू तिथि के मुताबिक 11 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा की तिथि होने पर सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह की पूर्णाहुति के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति ने शहर के सभी श्रद्धालुओं से भंडारे में शामिल होकर प्रसाद लेकर पुण्यलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

भोपाल। राजधानी में वन अधिकारियों की आईएफएस मीट के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर फैशन मीट का आयोजन भी किया गया, जिसमें महिला अधिकारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

Laurene Powell Jobs, Wife Of Steve Jobs, Visits Kashi Vishwanath Temple Ahead Of Maha Kumbh

Laurene Powell Jobs, the wife of late Apple co-founder Steve Jobs, visited the Kashi Vishwanath Temple in Varanasi on Saturday before heading to Prayagraj for the Maha Kumbh.

Accompanied by Swami Kailashanand Giri Ji Maharaj of Niranjani Akhara, Laurene arrived at the temple dressed in traditional Indian attire, a pink suit with a white dupatta on her head.

At the temple, Laurene followed the customs and offered prayers from outside the sanctum sanctorum. Swami Kailashanand Giri explained, "As per Indian tradition, no one other than a Hindu can touch the Shivling at Kashi Vishwanath. That's why she was made to view the Shivling from outside."

The purpose of Laurene's visit was to pray for the successful completion of the Maha Kumbh without any obstacles. Swami Kailashanand Giri also shared that their American disciple, Maharshi Vyasanand, is set to become a Mahamandaleshwar in their Akhara the next day.

Laurene Powell Jobs, who has taken the name 'Kamala', will also participate in the Maha Kumbh in Prayagraj, which starts on January 13. She will be spending time at the Kumbh, staying in the camp of Swami Kailashanand Giri, and is planning to take a dip in the Ganga as part of the spiritual journey.

The grand religious event, Maha Kumbh, will be held from January 13 to February 26 in Prayagraj and attracts millions of devotees from around the world.

On Saturday, a spectacular water laser show was inaugurated at the Yamuna Bank Ghat in Prayagraj to showcase key events related to the Maha Kumbh, costing nearly Rs 20 crore.

The Uttar Pradesh government has implemented extensive security measures and set up state-of-the-art facilities, including AI-powered CCTVs, underwater drones, and electric buses to ensure a smooth experience for the millions of visitors expected during the festival.

मुफ्त भोजन के बाद 1 करोड़ गीता प्रेस की पुस्तक मुफ्त देगा अडानी ग्रुप, उद्योगपति गौतम अडानी ने की गीता प्रेस की तारीफ

प्रयागराज। प्रयागराज में प्रसिद्ध महाकुंभ मेले की शुरुआत 13 जनवरी 2025 से हो रही है, जिसमें देशभर से लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं पहुंच रहे हैं। मेले के सफल आयोजन के लिए यूपी सरकार ने पूरे प्रबंध कर लिए हैं। बीच अडानी ग्रुप और इंटरनेशनल सोसायटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस ने इस साल प्रयागराज में महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं को भोजन परोसने के लिए हाथ मिलाया है। यह %महाप्रसाद सेवा% 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ मेले की पूरी अवधि के दौरान की जाएगी।

करोड़ आरती संग्रह फ्री वितरित करेगा अडानी ग्रुप- अडानी ग्रुप के चेयरमेन गौतम अडानी ने प्रयागराज कुंभ क्षेत्र में गीता प्रेस के आरती संग्रह पुस्तक की 1 करोड़ प्रतियां वितरित करने की घोषणा की है। गौतम अडानी ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, ÷महाकुम्भ भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का महायज्ञ है! यह हमारे लिए अपार संतुष्टि का विषय है कि इस महायज्ञ में प्रतिष्ठित संस्थान गीता प्रेस के सहयोग से हम %आरती संग्रह% की एक करोड़ प्रतियां कुम्भ में आए श्रद्धालुओं की सेवा में निःशुल्क अर्पित कर रहे हैं।

गीता प्रेस की प्रशंसा करते हुए उद्योगपति अडानी ने कहा, ÷गीता प्रेस सनातन साहित्य के माध्यम से 100 वर्षों से राष्ट्र की सेवा कर रहा है। प्रेस के सम्मानित पदाधिकारियों से मिलकर प्रेरणा प्राप्त हुई और गीता प्रेस के उत्कृष्ट सेवा कार्यों के प्रति आभार व्यक्त करने का सौभाग्य मिला। निःस्वार्थ सेवाभाव और धर्म एवं संस्कृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना राष्ट्रप्रेम का ही एक रूप है, जिसके लिए हम सभी प्रतिबद्ध हैं। सेवा साधना है, सेवा प्रार्थना है और सेवा ही परमात्मा है।÷

मालवा की पहली रोमांटिक फिल्म थारो म्हारो प्रेम की शूटिंग होगी इंदौर में

इंदौर, एजेंसी। मालवा की पहली रोमांटिक फिल्म थारो म्हारो प्रेम की शूटिंग जल्दी ही उज्जैन ,इंदौर, मंदसौर ,धार , रतलाम,नीमच के ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों पर की जाएगी साथ ही फिल्म में मालवा के स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ मालवा के बॉलीवुड में स्थापित कलाकारों को भी शामिल किया जाएगा, फिल्म के शूटिंग के लिए ग्रामीण गांव की पृष्ठभूमि के लिए आदर्श गांव बाला गुड़ा का चयन किया गया है फिल्म के गानों का फिल्मांकन उज्जैन महाकाल लोक एवं यहां की सांस्कृतिक धार्मिक धरोहरों पर किया जाएगा इस मालवी फिल्म में बॉलीवुड के प्रख्यात सिंगर के गाने रिकॉर्ड किए जाएंगे । मालवा के प्रमुख लोक कवि की रचनाओं को इस फिल्म में प्रमुखता से शामिल किया गया है, फिल्म में 6 गाने हैं , स्वर्गीय भावसार बा द्वारा लिखित, स्वर्गीय मदन सिंह जोशी भागवत आचार्य द्वारा लिखित, आगर मालवा की लोक गायिका स्वर्व कोकिला की उपाधि से सम्मानित पुखराज पांडे जी ,मंदसौर की लोक गायिका श्रीमती सुगंध देवी गंधर्व जी, संजा के गीतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए, देश-विदेश में मालवी बोली को प्रचार करने के लिए श्रीमती माया देवी नारायणी बदेका मालवेंद्र जी का बहुत बड़ा योगदान है , माया जी द्वारा लिखित संजा के लोकप्रिय गीत को फिल्म थारो म्हारो प्रेम में फिल्म में शामिल करने का सौभाग्य मिला।

गैस त्रासदी पर हिंदी में नायाब दस्तावेज़

विभूति झा की पुस्तक कठघरे में साँसें का लोकार्पण आज

भोपाल के मालवीय नगर में स्थित इकतारा सभागार रविवार की अपरान्ह साढ़े तीन बजे एक दुर्लभ पल का साक्षी बनने जा रहा है। गैस त्रासदी के चार दशक बाद हिंदी में पहली बार एक प्रामाणिक पुस्तक कठघरे में साँसें का लोकार्पण हो रहा है। जाने माने अधिवक्ता ,समाजसेवी और त्रासदी के बाद से लगातार गैस पीड़ितों के लिए लड़ाई लड़ने वाले विभूति झा की कलम से यह पुस्तक निकली है। किताब में विभूति झा ने यूनियन कार्बाइड से ज़हरीली गैस मिथाइल आइसो साइनेट के रिसाव के बाद से पल पल का ब्यौरा है। क़ानूनी लड़ाई के उतार चढ़ाव ,सियासत के धूर्त दाँवपेंच ,राजनेताओं और नौकरशाही की भूमिका तथा पीड़ित मानवता के अनेक तकलीफदेह पहलुओं का विस्तार से विवरण भी इस किताब में पहली बार आपको पढ़ने मिलेगा। पुस्तक को अपने चित्र संयोजन और सहयोग से अलंकृत करने वाले जाने माने छायाकार श्री जगदीश कौशल और आर सी साहू का अभिनंदन भी हम करेंगे । किताब का प्रकाशन प्रवासी प्रेम पब्लिकेशन ने किया है ।इसके संचालक लेखक और पत्रकार पंकज चतुर्वेदी से भी आप मिल सकेंगे।आइए चाय की चुस्कियों के साथ एक बेहतरीन शाम का गवाह बनिए। सभागार चौथी मंज़िल पर है और इमारत में लिफ्ट भी है।

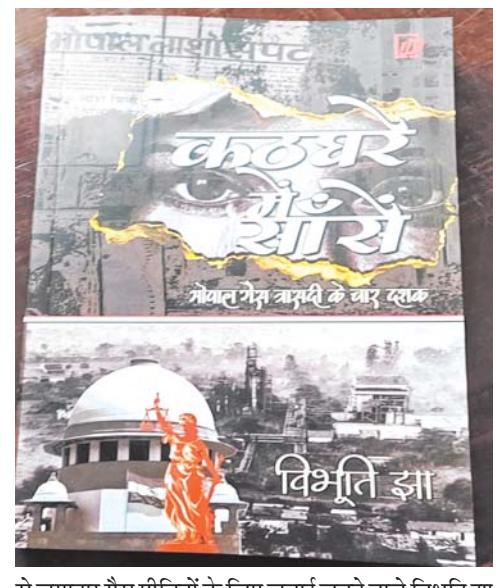

मध्य भारत के सबसे बड़े एक्जीबिशन प्लास्ट पैक 2025 व्यापार और तकनीकी विशेषज्ञता के साथ छात्रों और युवाओं के लिए नए अवसर का केंद्र

इंदौर, एजेंसी। प्लास्टिक और पैकेजिंग उद्योग के लिए क्रांतिकारी कदम 'प्लास्ट पैक 2025' ने अपने दर्शकों और उद्योग विशेषज्ञों को खूब आकर्षित किया। इंदौर के लाभगंगा ग्राउंड में आयोजित इस मेगा इवेंट में तकनीकी नवाचार, रोबोटिक्स, और पर्यावरण अनुकूल प्रक्रियाओं ने उद्योगपतियों और दर्शकों का ध्यान खींचा। इस आयोजन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव नेकिया। 65 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन पहले दिन तक हो चुके थे द्य 9 जनवरी से 12 जनवरी तक चलने वाले इस आयोजन में लगभग 50 हजारसे अधिक मेहमानों की उपस्थिति दर्ज की गई।आयोजन के दूसरे दिन लाइव मशीन प्रदर्शन ने उद्योग जगत के पेशेवरों और छात्रों का ध्यान खींचा। इनोवेटिव मशीनों और रोबोटिक्स के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के तरीकों पर विशेष जानकारी दी गई। लाइव मशीन प्रदर्शन और रोबोटिक्स सत्र ने प्रदर्शनी में एक नई ऊर्जा लाई है। ये तकनीक न केवल उद्योग जगत को फायदा पहुंचाएगी, बल्कि छात्रों को भी प्रेरित करेगी। हम स्थानीय उद्योगों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए तत्पर हैं।

यह एक्जीबिशन न केवल व्यापार और तकनीकी विशेषज्ञता का केंद्र बनी, बल्कि छात्रों और युवाओं के लिए नए अवसर भी लेकर आई। एक्जीबिशन के दौरान, जॉब फेयर और इंटरएक्टिव सेमिनार्स ने बड़ी संख्या में नौकरियों और उद्यमिता की संभावनाओं को उजागर किया। एक्जीबिशन के तीसरे दिन तक लगभग 17 बच्चों का प्लेसमेंट हो चुका था, जबकि 35 बच्चों का अगले राउंड लिए चयन किया गया। प्लास्ट पैक 2025 की टीम को उम्मीद है कि चार दिन चलने वाले इस एक्जीबिशन 100 से अधिक बच्चों को जॉब मिलेगी।

भोपाल। राजधानी में आज ब्लाइंड कार रेस का आयोजन किया गया।

टाटा प्ले लेकर आया है दिव्य महाकुंभ के दर्शन प्रयागराज से

मुंबई, एजेंसी। हर हर महादेव, महाकुंभ में शामिल होने का महासंयोग अब आप सभी को प्राप्त होने वाला है, वो भी घर बैठे आराम से। क्योंकि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक टाटा प्ले लेकर आ रहा है अपने अराधना चैनल पर 24/7 महाकुंभ दर्शन का सीधा प्रसारण, जिसमें आप बिना किसी विज्ञापन के दिव्यता का अनुभव कर सकेंगे। शाही स्नान (पवित्र स्नान), मंत्रमुग्ध करने वाली शाम की गंगा आरती, अखाड़ों के रंगीन जुलूस और प्रसिद्ध दिग्गजों द्वारा आध्यात्मिक उपदेश के साथ शानदार दृश्य खास आप सभी के लिए प्रसारित किए जाएंगे। इतना ही नहीं आप मठों के समूहों की समृद्ध परंपराओं से परिचित होंगे, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और दिल को छूने वाली कहानियों का अनुभव कर सकेंगे।

फोनपे ने महाकुंभ में आने वाले लोगों के लिए एक अनोखा इंश्योरेंस लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। आज फोनपे ने एक अनोखे इंश्योरेंस कवरेज की घोषणा की, जिसे 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में होने वाले आगामी महाकुंभ मेले में भाग लेने वाले यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। इस कॉम्प्रिहेंसिव और अफोर्डेबल प्लान में दो विकल्प दिए गए हैं जो यात्रियों के एक बड़े समूह की आवश्यकताओं को पूरा करते है, इसमें शामिल हैं-बस या ट्रेन से यात्रा करने वाले व्यक्तियों के लिए 59 प्रति यात्री इंश्योरेंस और घरेलू फ्लाइट से यात्रा करने वाले व्यक्तियों के लिए 99 प्रति यात्री इंश्योरेंस। यह महाकुंभ मेला विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक हैं, जिसमें सभी क्षेत्रों के लाखों लोग शामिल होते हैं।

महिंद्रा ने इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी-बीई 6 और एक्सइवी 9ई के टॉप-एंड वेरिएंट की कीमतों की घोषणा की

पुणे , एजेंसी। महिंद्रा ने अपने अनलिमिटेड इंडिया टेक डे पर अपनी प्रमुख इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी- बीई 6 और एक्सइवी 9ई के टॉप-एंड (पैक थ्री) वेरिएंट की कीमतों की घोषणा की। यह घोषणा 26 नवंबर, 2024 को आयोजित अनलिमिटेड इंडिया इवेंट की सफलता पर आधारित है, जहाँ बीई 6 और एक्सइवी 9ई का अनावरण किया गया था। महिंद्रा का प्रीमियम तकनीक के लोकतंत्रीकरण का दृष्टिकोण पैक थ्री के साथ केंद्र में है, जो लक्जरी, अत्याधुनिक सुविधाओं और बेजोड़ प्रदर्शन के उच्च अंत का प्रतिनिधित्व करती है।

कन्हैया मित्तल आज देंगे भजनों की प्रस्तुति

छिंदवाड़ा। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर आज 12 जनवरी को रात्रि 8 बजे से विश्व प्रसिद्ध भजन सम्राट कन्हैया मित्तल जी एक शाम खाटू वाले के नाम भव्य भजन संध्या की प्रस्तुति देंगे कन्हैया मित्तल जी का कार्यक्रम सांसद कार्यालय के सामने परासिया रोड स्थित मैदान में आयोजित किया गया है। सांसद ने जिले वासियों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद बंटी विवेक साहू होंगे । आयोजक समिति के सदस्य मनीष गुरुनानी, संदीप राव, गुड्डा सूर्यवंशी, विनोद सूर्यवंशी ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्याम प्रेमियों के आगमन को देखते हुए निर्धारित पार्किंग स्थल की व्यवस्था आसाराम गुरुकुल मैदान में की गई है । समस्त श्याम प्रेमी दक्षिण दिशा में गेट से कार्यक्रम में पहुंचेंगे, वहीं विशिष्ट अतिथियों के लिए वीआईपी गेट पेट्रोल पंप के बाजू से रहेगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पुष्प वर्षा,इत्र वर्षा,56 भोग और बाबा श्याम का दरबार लगेगा, कार्यक्रम में महिलाओं के बैठने की उत्तम व्यवस्था की गई है।

सांसद बंटी विवेक साहू ने चबूतरा के निर्माण के लिए सांसद निधि से की राशि स्वीकृत

छिंदवाड़ा। जुन्नारदेव के पूर्व विधायक भाजपा के वरिष्ठ नेता नत्थन शाह,भाजपा ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष शिवम साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज भौंरे, के अनुरोध पर सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने दमुआ क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायत में सांसद निधि से चबूतरा के निर्माण के लिए राशि की स्वीकृति प्रदान की है। सांसद ने इन पंचायतों में एक एक लाख की राशि की स्वीकृति प्रदान की है। जिन पंचायत को सांसद श्री साहू द्वारा सांसद निधि से चबूतरा के निर्माण के लिए राशि प्रदान की गई है उनमें ग्राम पंचायत सांगाखेड़ा में एक चबूतरा की स्वीकृति, ग्राम पंचायत झौंतकला में एक चबूतरा की स्वीकृति, ग्राम पंचायत छिन्दीकामथ में एक चबूतरा की स्वीकृति, ग्राम पंचायत छाबड़ा में एक चबूतरा की स्वीकृति, ग्राम पंचायत चउमउ में एक चबूतरा की स्वीकृति, ग्राम पंचायत तेलीवट में एक चबूतरा की स्वीकृति, ग्राम पंचायत खामखेड़ा में एक चबूतरा की स्वीकृति, ग्राम पंचायत हरियागढ़ में एक चबूतरा की स्वीकृति, ग्राम पंचायत बाम्हनवाड़ा में एक चबूतरा की स्वीकृति, ग्राम पंचायत उमराड़ी में एक चबूतरा निर्माण के लिए राशि की स्वीकृति प्रदान की।

मोबाइल मेडिकल यूनिट को सांसद बंटी विवेक साहू ने दिखाई हरी झंडी

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री जन मन योजनांतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में चार मोबाईल मेडिकल यूनिट (वाहन) प्रदान किया गया है। जिसके अंतर्गत शनिवार को सांसद श्री बंटी विवेक साहू जी, द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में उक्त मोबाईल मेडिकल यूनिट (वाहन) को हरी झण्डी देकर रवाना किया गया। जिसका उद्देश्य दूरस्थ अंचलों में जहां 5 किलोमीटर तक स्वास्थ्य संस्थाएं उपलब्ध नहीं है वहां चिकित्सीय सेवाओं की सुगम प्रदायगी हेतु मोबाईल मेडिकल यूनिट वाहन द्वारा स्वास्थ्य सेवाये पहुंच सुनिश्चित करना है। इस मोबाईल मेडिकल यूनिट में निःशुल्क परामर्श, प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात देखभाल, 18 प्रकार की निःशुल्क जांच, 62 प्रकार की निःशुल्क दवाईयों आदि की सुविधाएं उपलब्ध है। कार्यक्रम के दौरान सांसद के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता राजू नरोटे, मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला एवं अन्य जनप्रतिनिधि, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन. के. शास्त्री, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धीरज दवण्डे, जिला क्षय अधिकारी डॉ. श्रीमती अर्चना कैथवास, जिला मीडिया अधिकारी डॉ. प्रमोद वासनिक एवं कार्यालय व मोबाईल मेडिकल यूनिट के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजीपानी में अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन

सौसर। देश की भावी पीढी को वनों वन्य प्राणी एवं पर्यावरण के महत्व और वनों के प्रति जागरूकता के उदेश्य से वन विभाग एवं मध्यप्रदेश इको पर्यटन बोड के तत्वावधान में आदिवासी अंचल के ग्राम भाजीपानी में अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दक्षिण वन मंडल के सौसर वन परिक्षेत्रन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य संदीप मोहोड, मंडल अध्यक्ष सदानंद डोंगरे, निलेष जुननकर, जनपद सदस्य रामचंद्र उईके, उपसरपंच दादाजी सिरसाम मंचासीन थे। प्रास्ताविक उदबोधन में परिक्षेत्र अधिकारी षिवषंकर चतुर्वेदी ने कार्यक्रम के तहत सम्पन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। अवसर पर बोलते हुये जिप सदस्य श्री मोहोड ने कहा कि, वन और मानव जीवन एक दुसरे के पूरक है, वनों के संरक्षण से वन्य प्राणी की सुरक्षा के साथ-साथ हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। प्रदेश की भाजपा सरकार वनांचल में रहनेवाले आदिवासीयों के उत्थान के लिये प्रयास कर रही है। वनों के संरक्षण में हमें अपनी भागीदारी सुनिष्चित करनी चाहिये। प्रत्येक व्यक्ति पेडों का महत्व समझे। षासकीय विद्यालय मर्राम, डुडडेवानी, ढोलनखापा, भाजीपानी के छात्र छात्राओं को वन विभाग की कार्यप्रणाली प्रषासनिक

10 चक्का ट्रक में थे गौवंश हिंदू संगठनों ने कराया मुक्त

छिंदवाड़ा। राष्टीय हिंदू सेना जिलाध्यक्ष यमन साहू ने बताया है कि शनिवार की सुबह तकरीबन 8बजे राष्टीय हिंदु सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय जी ने सूचना दिया था कि एक एक ट्रक सिवनी की तरफ से गौवंश से भरा 10 चक्का ट्रक आ रहा है जिसमे उपर बोरे भरे है ओर अंदर गौवंश भरे हुऐ है जैसे ही ट्रक दिखा तो राष्टीय हिंदू सेना के कार्यकर्ता की मुस्तेदी के चलते गौवंश से भरी गाडी क्रमांक रूश्च09श्व 1120 पकड़ा गया जिसका पीछा राष्टीय हिंदु सेना के अजय चंद्रवंशी ओर हेमंत साहू द्वारा उमरिया इशरा से पीछा किया गया जहां अतरवाड़ा के पास राष्टीय हिंदू सेना के कार्यकर्ता पदाधिकारियो की सूझबूझ से पकडा गया जिसमे एक तस्कर पकड़ाया एक फरार हो गया। गाडी को देखा तो उसमें गौवंश क्रूरता पूर्वक डबल पाटेशन मे ठूस- ठूसकर गौवंश भरे हुए थे जो भूखे प्यासे थे इन गौवंशों को महाराष्ट्र कत्लखाना वध हेतु ले जाया जा रहा था । सभी गौवंश को पुलिस के सहयोग से सभी को मेघासिवनी गौ शाला में सुरक्षित उतार दिया गया ।आज की कार्यवाही में राष्टीय बजरंदल जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र राजपूत छात्र परिषद जिलाध्यक्ष विजय गौली निर्भय पटेल हनी राजपूत, दीपक निर्मलकर, कमलेश चंद्रवंशी, अतुल गोली, अजय नायक एंव पुलिस प्रशासन का सहयोग रहा।

पुलिस के व्दारा अवैध रुप से परिवहन किये जा रहे 4 नग भैंस को मुक्त कराकर आरोपियों को गिरफ्तार किया

छिंदवाड़ा पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डे व अति. पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह एवं अनुविभागीय (पुलिस) रवीन्द्र मिश्रा, थाना प्रभारी राजेन्द्र धुर्वे के मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियों में नियंत्रण एवं कार्यवाही के लिये निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में चौकी सिंगोडी में दिनांक 10.01.25 को मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि नरसिंहपुर तरफ से छिन्दवाड़ा तरफ एक पिकअप वाहन क्रमांक MP-28-G-4185 में भैंस भरकर कत्ल खाना ले जाये जा रहे हैं। सूचना पर रेड कार्यवाही हेतू पेंच नदी के पुल के आगे मेन रोड पर पहुंच कर गवाहों के समक्ष पिकअप वाहन क्रमांक MP-28-G-4185 को स्टापर लगाकर घेराबंदी कर रोका गया जो पिकअप वाहन क्रमांक MP-28-G-4185 को चैक करने पर आरोपियों सुशील पिता राजाराम डेहरिया एवं श्रीपाल पिता देवचन्द भलावी के कब्जे से पिकअप वाहन में भरे हुये 03 नग जीवित भैंस एवं 01 नग बोदा पाये गये । उक्त पिकअप वाहन को अभिरक्षा में लेकर भैंसो को गौशाला मेघासिवनी में ले जाया जाकर सुरक्षार्थ अभिरक्षा में रखा गया । आरोपियो श्रीपाल पिता देवचन्द भलावी उम्र 35 वर्ष निवासी तेंदनीमाल एवं सुशील पिता राजाराम डेहरिया उम्र 32 वर्ष निवासी चिमौआ से 04 नग भैंस, पिकअप एवं दस्तावेजो को जप्त कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपियो का कृत्य धारा 11 म.प्र. कृषक पशु परीक्षण अधि., 11 पशु क्रूरता निवारण अधि., 3(5) बी.एन.एस. का पाये जाने से अपराध क्र 25 / 2025 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

भाजपा के दबाव में वित्तीय घोटाले की रोक दी कार्रवाई: परतेती

हर्रई नगर परिषद में हुए गबन की पेश नहीं हुई चालान

छिन्दवाड़ा। आम आदमी को चाल, चरित्र व चेहरे की दुहाई देने वाली भाजपा सरकार का चरित्र बड़ा ही दागदार है जिसमें घोटाले, गबन, भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने के दाग तो लगे ही है साथ ही भाजपा भी इनसे सनी है। दूसरा पहलू यह है कि भाजपा पार्टी एक वॉशिंग मशीन है जिसमें भाजपाई डिटार्जेंट पाउडर व साबुन का इस्तेमाल होता है जिनसे संगीन से संगीन दाग भी धुल जाते हैं या फिर छिपाए जाते हैं। इसका प्रत्यक्ष व सबसे बड़ा प्रमाण वर्ष 2016 में नगर परिषद हर्रई में हुआ गबन है जिसमें अमरवाड़ा विधानसभा से भाजपा विधायक कमलेश शाह की धर्मपत्नी श्रीमती माधवी शाह सहित अन्य आरोपी है। इस मामले में अपराध पंजीबद्ध होने के बावजूद आज तक चालान पेश नहीं होना भाजपा के चरित्र को बयां कर रही। उक्त उदगार जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस एसटी सेल जिलाध्यक्ष रामनारायण परतेती ने व्यक्त किए।

कांग्रेस एसटी सेल जिलाध्यक्ष ने जारी बयान में आगे कहा कि वर्ष 2016 के दौरान नगर परिषद हर्रई में करोड़ों रुपये का गबन हुआ था। तात्कालीन सीएमओ राजेन्द्र कुमार सिंह ने इस मामले की जांच एवं निष्पक्ष कार्रवाई हेतु हर्रई पुलिस थाना में आवेदन प्रस्तुत किया। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों व जब्ती चैक के आधार पर नगर परिषद की तात्कालीन अध्यक्ष श्रीमती माधवी शाह भी दोषी पाई गई थी। अमरवाड़ा विधानसभा से भाजपा विधायक कमलेश शाह की धर्मपत्नी श्रीमती माधवी शाह व तात्तकालीन सीएम राजेन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य के खिलाफ गबन का अपराध पंजीबद्ध किया गया। इस प्रकरण की सम्पूर्ण जांच व दस्तावेजी कार्रवाई पूर्ण होने के बावजूद आज तक चालान पेश नहीं किया जाना भाजपा सरकार पर अनेकों सवाल खड़े कर रही है जिसका जवाब भाजपा के किसी जिम्मेदार के पास नहीं है।

भाजपा की वॉशिंग मशीन का लिया सहारा :

कांग्रेस एसटी सेल जिलाध्यक्ष रामनारायण परतेती ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में आगे कहा कि विधायक कमलेश शाह स्वयं व अपनी धर्मपत्नी श्रीमती माधवी शाह को गबन के अपराध से बचाने के लिए भाजपा में चले गए, क्योंकि देश, प्रदेश व जिले में भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसमें शामिल होते ही सारे अपराध माफ कर दिए जाते हैं।

कड़कड़ाती ठंड में वस्त्र एवं जरूरत की सामग्री भेंट

छिंदवाड़ा. संत आशारामजी बापू द्वारा प्रेरित श्री योग वेदांत सेवा समिति ने आज ग्राम पालामऊ के आसपास के हजारों जरूरतमंदों को एकत्रित कर वस्त्र ,मिठाई और जरूरत की सामग्री भेंट की । इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने बताया कि समिति वर्ष भर बच्चे, युवा और बुजुर्गो के लिए सेवा कार्य करते रहती हैं । जिसमें गर्मी में निश्शुल्क छाछ वितरण, बरसात में पौधारोपण , दीपावली पर्व पर भण्डारे, विद्यार्थी शिविर, साधक सम्मेलन, लिंगा आश्रम में प्रतिमाह आमवस्या के आसपास भण्डारे, खजरी गोशाला में कत्ल खाने से बचाई गई सैकड़ों गायो को नया जीवन देने की सेवा,ठंड में कम्बल, वस्त्र और स्वास्थ्यवर्धक दवाई आदि ऐसी अनगिनत सेवाएं वर्ष भर चलती हैं । पर्यावरण संरक्षण हेतु 25 दिसम्बर के पहले तुलसी पूजन विश्वव्यापी अभियान समाप्त होने के बाद अब जिले भर में मातृ-पितृ पूजन दिवस का आयोजन जगह-जगह सम्पन्न हो रहा है जिसमें स्कूलों के लिए अलग टीम तथा भागवत कथा और धार्मिक आयोजनों में अलग- अलग टीमें गठित की गई हैं। जिले भर के साधक पूरी ततपरता से यह सेवा कर रहे हैं। ग्राम पालामऊ के आसपास के जरूरतमंदों को जरूरत की सामग्री भेंट की। जिसमें बच्चे, युवा और बुजुर्गों का पूरा ख्याल रखा गया। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए भोजन प्रसादी की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में लगभग 8 हजार से अधिक लोग लाभांवित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत की सदस्य ललिता घोगें, जिला भाजपा के पूर्व कोषाध्यक्ष विलास घोगें उपस्थित रहे। इस दैवीय कार्य में साध्वी रेखा बहन, साध्वी प्रतिमा बहन, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, गुरुकुल की संचालिका दर्शना खट्टर, सुभाष इंगले, नरेन्द्र सोनारे, रामराव लोखंडे, बबलू माहोरे, अशोक कराडे, भूपेश पहाड़े, सुजीत सूर्यवंशी, वैशाली भुसारे, छाया सूर्यवंश , रुपाली इंगले, श्रृद्धा बहन, कंचन बहन , दीपा डोडानी आदि ने अपनी - अपनी सेवाएं दी ।

कांग्रेस ने घोषित की परासिया ब्लॉक की कार्यकारिणी

40 सदस्य, 33 आमंत्रित सदस्यों के साथ ही वरिष्ठ मार्गदर्शक मंडल में 34 पदाधिकारी मनोनीत किए गए

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी के निर्देशानुसार परासिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी घोषित की गई है। घोषित कार्यकारिणी में ब्लॉक अध्यक्ष सहित 36 पदाधिकारी, 40 सदस्य, 33 आमंत्रित सदस्यों के साथ ही वरिष्ठ मार्गदर्शक मंडल में 34 पदाधिकारी मनोनीत किए गए हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओक्टे, परासिया विधायक श्री सोहन वाल्मीकी, परासिया विधानसभा प्रभारी श्री राजीव तिवारी व पर्यवेक्षक सुभाष गुलबांके से चर्चा के उपरांत परासिया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री कमल राय के साथ घोषित कार्यकारिणी में संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण पदों पर मनोनीत किया गया है।

समन्वयक बसंत मालवी, कार्यकारी अध्यक्ष हरी प्रसाद गुड्?डा एवं गगन खण्डूजा व सचिव कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी धनन्जय ठाकुर को सौंपी है।

महामंत्री- भगवानदीन यादव, अलाउद्दीन खान, सागर बाबरिया, शीतल डेहरिया एवं देवीराम विश्वकर्मा को महामंत्री नियुक्त किया गया है।

उपाध्यक्ष- अखलाख सिददीकी, संतोष बाथरे, गोपाल सम्भारे, गोल्डी ठाकुर, असरफ खान एवं सुभाष यदुवंशी को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

सहसचिव- संतोष यदुवंशी, प्रमोद भार्गव, दिलीप यदुवंशी, राजकुमार यादव, मधुसूदन रायपुरे एवं अनुराग दीक्षित को सहसचिव मनोनीत किया है।

प्रवक्ता- विवेक मिश्रा, अकील शेरखान, सैफ खान, राकेश शर्मा, अज्जू रूस्तम एवं श्रीमती रूबीना गांधी को प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।

सोशल मीडिया- आशीष सिकन्दरपुरे, तरूण साहू एवं कुनाल कोचे को सोशल मीडिया की जिम्मेदारी सौंपी गई।

संगठन मंत्री- जुगलकिशोर विश्वकर्मा, देवीप्रसाद डेहरिया, राजू साहू, नारायण जोहरे एवं अमूल राव को परासिया ब्लॉक कांग्रेस की घोषित कार्यकारिणी में संगठन मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

राष्ट्रीय स्तर के खेल से वंचित पहलवानों ने छात्र नेता के नेतृत्व में कुलगुरू को सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा - आज राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा में छात्र नेता अर्पित तिवारी के नेतृत्व में पहलवानो ने किया धरना प्रदर्शन जिसमें छात्र नेता के द्वारा बताया गया कि विगत दिनों 7 जनवरी को सभी पहलवानों को ऑल इंडियन चौंपियन शिप में भाग लेने के लिए उनकी काबिलियत के आधार पर चयन प्रक्रिया के आधार पर चयन किया गया और उन्हें 7 जनवरी को कुश्ती की ड्रेस वितरित की जानकारी देकर उन्हें बुलाया गया। जब सभी कुश्ती के खिलाड़ी अपनी टीम के साथ पहुंचे तो अचानक उन्हें बताया गया कि वह योग्य नहीं है जबकि जो चयन प्रक्रिया थी उसके अनुसार वह पूर्ण रूप से योग्य है। आगे छात्र नेता ने कहा कि खिलाड़ियों के खेल से वंचित रखने की असली वजह तो विश्वविद्यालय का बजट है जो बेहद कम है जिसकी वजह से पर्याप्त टीम को विश्वविद्यालय नहीं पहुंचा पाया। पहलवानों का कहना है कि हमने अपना लक्ष्य पहलवानी को माना है और हमें अपने जिले का नाम रोशन करना है लेकिन हमें यदि पर्याप्त मौका ही न मिले तो हम यह सब कैसे प्राप्त कर पाएंगे। इस ज्ञापन में मुख्य रूप से युवा नेता गौरव पराते, छात्र नेता मिंटू प्रजापति, शिवनाराण वर्मा, निखिल विश्वकर्मा, आकाश साहू, वेदांत साहू, बालकराम पहाड़े, अमन चंद्रवंशी के साथ सभी पहलवान छात्र उपस्थित रहे।

सांसद खेल महाकुंभ का हुआ रंगारंग शुभारंभ

मेरा प्रयास रहेगा कि हर खिलाड़ी राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचे: सांसद

छिंदवाड़ा । सांसद खेल महाकुंभ के तहत आयोजित किये जाने वाले 32 खेलों का रंगारंग उद्घाटन समारोह स्टेडियम मैदान में किया गया । इस अवसर पर सांसद श्री विवेक बंटी साहू, महापौर विक्रम आहाके, विजय पांडे,अजय सक्सेना, विश्वामित्र अवॉर्डी के आर तिवारी, सभापति जागेंद्र अल्ड़क, राहुल उड़के, मनोज सक्सेना, शिल्पा राकेश पहाड़े, अरुणा मनोज कुशवाहा, चंद्रभान देवरे,मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ,सौरभ ठाकुर, पंकज पाटनी, गयासुद्दीन पक्ष भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती गरिमा दामोदर, सहायक संचालक डी पी डेहरिया, जिला खेल अधिकारी रामा राव नागले ,प्रताप ईवनाती, सहित अन्य जनप्रतिनिधि व विभिन्न खेल संगठनों के अध्यक्ष ,सचिव विशेष रूप से उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन , सरस्वती पूजन व सरस्वती वंदना के साथ हुआ ।मुख्य अतिथि श्री विवेक बंटी साहू द्वारा ध्वजारोहण किए जाने के पश्चात 32 खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने प्रतिभागी खिलाड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट की प्रस्तुति दी गई, तत्पश्चात खिलाड़ियों को विधिवत शपथ दिलाई गई ।प्रतियोगिता के प्रतिवेदन का वाचन भाजपा खेल प्रकोष्ठ संयोजक अंकित सोलंकी ने किया जिसमें उन्होंने अतिथियों के समक्ष जानकारी देते हुए बताया कि इस खेल महाकुंभ में जिले भर के चार लाख खिलाड़ी भाग ले रहे हैं यह ऐतिहासिक खेल आयोजन छिंदवाड़ा जिले के खेल इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा। इस दौरान अतिथियों के समक्ष योगासन, होला हूप, बुशु ,रोप स्किपिंग के उत्कृष्ट खिलाड़ियों द्वारा अपनी खेल विद्या का प्रदर्शन किया गया ।सांसद श्री विवेक बंटी साहू ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना का परिचय देते हुए उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया। मुख्य अतिथि द्वारा उद्घाटन की विधिवत घोषणा के पश्चात रंगारंग गुब्बारे आकाश में छोड़े गए।

खेल महोत्सव शुभारंभ अवसर पर सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने कहा कि मेरा प्रयास रहेगा कि जिले के बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचे इस खेल महाकुंभ से प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। सांसद ने कहा कि स्कूलों में प्रतियोगिता आयोजित कर खेलों का वातावरण बनाएं जिससे आगे जाकर विद्यार्थी अपनी भूमिका निभा सके।

कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन संयोजक नितिन खंडेलवाल एवं कार्यक्रम का संचालन राकेश चौरसिया द्वारा किया गया।

सांसद खेल महाकुंभ के तहत विद्यालय स्तर पर कक्षा 1 से 5 ,6 से 7 तथा 9 से 12 तक के समस्त विद्यालयों में खेलकूद प्रतियोगिताओं का संचालन 16 जनवरी तक किया जावेगा , जो की विद्यालय स्तर तक सीमित होगा । 12 जनवरी से 19 जनवरी के मध्य 32 खेल फुटबॉल, क्रिकेट टेनिस बॉल ,कबड्डी, वालीबाल, कैरम ,बास्केटबॉल ,शतरंज ,हॉकी, खो खो ,बैडमिंटन, पावर लिफ्टिंग, वेट लिफ्टिंग ,बॉडी बिल्डिंग, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, साइकिलिंग ,कराते, एथलेटिक्स, कुश्ती, हैंडबॉल, योगासन ,तीरंदाजी ,बुशु ,स्केटिंग, रस्साकसी, जुजुत्सु रोप स्किपिंग ,नेटबॉल, पतंग,शूटिंग ,मैराथन और दिव्यांग खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रारंभ हो जावेगा।

तहसीलदार पर यौन शोषण का आरोप, महिला बोली- आरोपी की हैं चार पत्नियां

ग्वालियर। महिला का दावा है कि तहसीलदार शत्रुघ्न सिंह ने 2010 में उससे शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए, और 2014 में एक बेटे का जन्म हुआ। महिला ने बेटे के बर्थ सर्टिफिकेट में शत्रुघन का नाम पिता के रूप में दिखाया है। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है

ग्वालियर में पदस्थ तहसीलदार शत्रुघ्न सिंह चौहान पर एक 34 वर्षीय महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि शत्रुघ्न सिंह चौहान ने उसे पत्नी बनाकर रखा, शारीरिक शोषण किया और एक अन्य युवक से जबरन शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। महिला ने शनिवार को महिला थाना में अपनी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन जब कार्रवाई नहीं हुई, तो उसने एसपी को कॉल किया। पीड़िता का कहना है कि चार घंटे तक रोने के बावजूद कोई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वहां नहीं आया।

महिला का दावा है कि शत्रुघ्न सिंह ने 2010 में उसे शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए, और 2014 में एक बेटे का जन्म हुआ। महिला ने बेटे के बर्थ सर्टिफिकेट में शत्रुघ्न का नाम पिता के रूप में दिखाया है। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और अब तहसीलदार से पूछताछ की जाएगी। महिला ने बताया कि शत्रुघ्न उसे धोखे से शादी का वादा किया और शादीशुदा होने की बात छुपाई। इसके बाद उन्होंने उसे अलग-अलग जगहों पर रखा और शारीरिक शोषण किया। महिला ने आरोप लगाया है कि चौहान ने उसे गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात कराया।

तहसीलदार की चार पत्नी-

पीड़िताः पीड़िता ने कहा कि वह शत्रुघ्न सिंह चौहान की पत्नी है। साल 2010 में उसने मुझसे शादीशुदा होने की बात छुपाकर शादी की। अलग-अलग जगह रखकर संबंध बनाए। उससे साल 2014 में बेटे का भी जन्म हुआ है। तहसीलदार के चार पत्नी हैं। महिला ने बारीकी से पूरी बात बताई है। अब पुलिस उसके आवेदन में आए हर एक किरदार की बारीकी से जांच करने की बात कह रही है। जबकि तहसीलदार का कहना है कि वह महिला को जानते तक नहीं है। महिला का पति कोई अन्य युवक है। महिला मुझसे 10 लाख रुपए मांग रही है। उसने कूटरचना कर दस्तावेज बनाए हैं। शत्रुघ्न सिंह चौहान ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि वह इस महिला को जानते तक नहीं हैं और उसे ब्लैकमेल कर 10 लाख रुपए की मांग कर रही है। शत्रुघ्न ने यह भी कहा कि महिला ने पिछले दिनों महाराजपुरा थाना में रेप का आरोप भी लगाया था, और अब वह उनके खिलाफ मामले का रुख अपना रही है। डीएसपी महिला अपराध किरण अहिरवार ने कहा कि महिला की शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है और सभी किरदारों की भूमिका की जांच की जा रही है। इस मामले में शत्रुघ्न से भी पूछताछ की जाएगी

जीतू यादव के भाई अवि सहित सभी 20 से ज्यादा गुंडों की तलाश में एसआईटी की छापेमारी

इंदौर। पार्षद कमलेश कालरा के घर पर समर्थक गुंडे भेजने वाले गुंडे जीतू यादव (जाटव) अब भागते फिर रहे हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव के सख्त रुख अपनाने के बाद पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने एसआईटी का गठन किया और इसके बाद देर रात तक परदेशीपुरा, कुलकर्णी नगर में कई जगह पर एक के बाद एक छापे मारे गए। पुलिस को जीतू के भाई अवि उर्फ अभिषेक यादव के साथ ही 20 से ज्यादा गुंडों की तलाश है। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा और डीसीपी ऋषिकेश मीणा द्वारा पहले रेकी कराई गई और फिर टीम बनाकर छापे मारे गए, आईपीएस एसीपी नरेश रावत एसआईटी टीम इसमें मैदान में जुटी हुई है। उधर जीतू यादव पार्टी से बाहर होने के बाद से ही गायब है और किसी को नजर नहीं आए हैं।

उधर शनिवार को गिरफ्तार हुए आरोपी दीपक जेरिया और नितिन अड़ागले से पूछताछ में जीतू के चचेरे भाई अभिलाष यादव का नाम आ गया है। आरोपी नितिन ने ही नाबालिग के कपड़े उतारे थे। वहीं दीपक के पास चाकू था। आरोपियों ने कहा कि जीतू के चचेरे भाई अवि उर्फ अभिलाषा के इशारे पर यह हुआ और उन्होंने ही कुलकर्णी नगर, परदेशीपुरा से युवकों को बुलाया था। खुद अवि भी कालरा के घर पर घुसा था।

पुलिस ने सामने आए वीडियो से स्क्रीन शाट लेकर करीब 22 आरोपियों की पहचान कर ली है और इनकी तलाश में छापे मारे हैं। पुलिस मुख्य तौर पर अवि के साथ ही धनराज उर्फ धन्ना राय, धीरज शिवजीत शिंदे, नवीन राजेंद्र शर्मा, आशीष अलोक मालवीय, संपत नेमीचंद यादव, मिथुन डागर, नितिन अड़गले, देवेंद्र सरोज, सोनू सूरवीर, गोलू आदिवासी, दिलीप बसवाल, नाथू काला, लोकेश प्रजापति, संतोष केमिया, परमजीत उर्फ पम्मी तोमर, विशाल गोस्वामी, पिंटू शिंदे, अक्षय दुबे, बंटी ठाकुर की तलाश कर रही है।

उधर अभी भी पार्षद कालरा व विधानसभा चार को जीतू के आरोपी बनाए जाने का इंतजार है। अभी तक पुलिस ने उन्हें आरोपी नहीं बनाया है। उधर कालरा ने कहा कि जब घर पर हमलावर आए थे तब उनके आए एक कार आई थी जिसमें महापौर परिषद सदस्य लिखा था। यानी आशंका है कि घटना के समय जीतू यादव की कार भी आगे-पीछे उधर आई थी। आडियो में तो साफ आ ही चुका है जिसमें वह कालरा से कह रहे हैं कि पहले माफी का वीडियो डालो मैं लोगों को बुला लूंगा। वहीं वीडियो में साफ तौर पर समर्थक गुंडे कह रहे हैं कि जीतू यादव का नाम क्यों लिया।

युवा मिशन

— एक विचार ले लो, उसी को सोचो, उसी का स्वप्न देखो, उसी पर अवलम्बित रहो। अपने मस्तिष्क, मांसपेशियों, स्नायुओं और शरीर के प्रत्येक भाग को उसी विचार से ओत–प्रोत होने दो।

यही सफलता का रास्ता है। यही वह मार्ग है, जिसने महान पुरुषों का निर्माण किया है।

- स्वामी विवेकानंद

सशक्त, क्षमतावान और आत्मनिर्भर युवाओं का प्रदेश बनेगा मध्यप्रदेश

स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन

का शुभारंभ

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

12 जनवरी, 2025 । प्रातः 11:30 बजे

रवीन्द्र भवन, भोपाल

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मिशन के प्रमुख उद्देश्य

- युवाओं के समग्र विकास पर केन्द्रित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उद्यमिता और रोज़गार क्षमता का निर्माण
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मानकों के अनुसार कौशल एवं तकनीकी विकास
- तकनीक के अधिकाधिक उपयोग एवं अनुसंधान तथा विचारशीलता को बढ़ावा
- नशे से दूरी एवं स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहन
- भारतीय ज्ञान परंपरा, पर्यावरण संरक्षण, खेल एवं संस्कृति के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाना
- समाज में सक्रिय भागीदारी के साथ अर्थव्यवस्था में सम्मानजनक स्थान सुनिश्चित करना
- प्रत्येक जिले में एमएसएमई औद्योगिक पार्क का विकास एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा देकर रोज़गार के अवसर सुगम बनाना

प्रदेश स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार

प्रात: 9:30 बजे से 10:30 बजे तक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामयी सहभागिता

सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भोपाल

D-11151/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

#युवा_शक्ति_मिशन_MP

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025